www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्ष: 01 ■ अंक: 81 ■ जशपुर, 15 नवंबर 2026 (रविवार) ■ पृष्ठ: 08 ■ मूल्य: 01 रूपये

आदिवासी और जनजाति में फर्क कर रही कांग्रेस, दोनों एक ही समाज

50 साल केंद्र में रही कांग्रेस, लेकिन जनजातीय मंत्रालय नहीं बनाया - किरणदेव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने आदिवासी और जनजाति शब्द को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी और जनजाति दोनों एक ही समाज हैं, फिर इनके बीच फर्क क्यों किया जा रहा है। कांग्रेस 50-55 साल तक केंद्र की सत्ता में रही, लेकिन उसने जनजाति समाज के विकास के लिए अलग मंत्रालय तक नहीं बनाया। किरणदेव ने यह बातें शनिवार को रायपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं। कांग्रेस बताए, जनजाति समाज के लिए क्या किया?किरण सिंहदेव ने कहा कि बीजेपी सरकार जनजाति समाज के विकास और उत्थान के लिए लगातार काम कर रही है। केंद्र सरकार की एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की योजनाएं इस समाज के विकास के लिए चलाई जा रही हैं। इनमें धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान भी शामिल है। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि इतने लंबे समय तक केंद्र में सरकार रहने के बावजूद उसने जनजाति समाज के विकास के लिए क्या किया और कौन-सी योजनाएं शुरू कीं।



भाषा-बोली अलग, लेकिन समाज एक ही है

सिंहदेव ने आदिवासी और जनजाति शब्दों के बीच अंतर किए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बस्तर में ही हर 20-25 किलोमीटर पर अलग-अलग जनजातीय समुदाय मिलते हैं। उनकी भाषा, बोली, खान-पान और पहनावा अलग-अलग हो सकता है, लेकिन सभी जनजाति समाज का हिस्सा हैं। ऐसे में आदिवासी और जनजाति को अलग-अलग बताकर भेदभाव क्यों किया जा रहा है? आदिवासी समाज के लोग भी जनजाति समाज में ही आते हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के जरिए देश और प्रदेश के जनजातीय नायकों का सम्मान किया जा रहा है। भगवान बिरसा मुंडा को धरती आबा के नाम से याद किया जाता है। इसी तरह बस्तर के गुंडाधुर और शहीद वीर नारायण सिंह जैसे नायकों ने भी देश और समाज के लिए योगदान दिया है। इन वीरों के सम्मान और उनके योगदान को याद करने पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

15 नवंबर को धरमजयगढ़ में कार्यक्रम

किरण सिंहदेव ने बताया कि 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी शामिल होंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका पहला छत्तीसगढ़ दौरा होगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को लेकर सरगुजा से लेकर जशपुर और आसपास के जनजातीय क्षेत्रों में उत्साह है। बड़ी संख्या में समाज के लोग इसमें शामिल होंगे।

फर्जी सिविल-जज बनकर सहेली को ठगा, 1.88 लाख ऐंठे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। बचपन की सहेली पूजा सिंह उर्फ मीठी सिंह ने खुद को सुप्रीम कोर्ट की वकील और राजस्थान कैडर की चयनित सिविल जज बताकर खमतराई निवासी आरजू शर्मा (24) से 1.88 लाख रुपए ठग लिए। खमतराई पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4), 319(2) के तहत एफआईआर दर्ज की है। आरजू के भाई आदित्य की पत्नी प्राची ने परिवार के खिलाफ क्रूरता की शिकायत की थी। मदद मांगने पर पूजा ने पुलिस अधिकारियों और मजिस्ट्रेटों से पहचान का दावा कर केस सुलझाने का भरोसा दिलाया।



13 सितंबर को यात्रा खर्च के नाम पर 5 हजार, 16 सितंबर को पुलिस अधिकारी को देने के नाम पर 1.5 लाख नकद, वकील को 15 हजार और पूजा को 5 हजार, फिर सीडीआर निकलवाने के नाम पर क्यूआर कोड से 18 हजार लिए गए। पूजा ने बताया था कि वह ट्रेनिंग पर है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट के वकील अमानत उल्ला खान से केस लड़वाएगी।बाद में पता चला कि पूजा ने कानून की पढ़ाई भी पूरी नहीं की है। वकील ने बताया कि पूजा उनसे पैसे वापस ले चुकी है। 16 सितंबर को ही पूजा ने ठगी के पैसों से नया आईफोन खरीदा। पैसे मांगने पर 3 अक्टूबर को पूजा ने गाली-गलौज कर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। 4 अक्टूबर की शिकायत पर 12 नवंबर को एफआईआर हुई। जांच एसआई मनीष बाजपेयी कर रहे हैं।

प्रदेश के इकलौते सरकारी डेंटल कॉलेज में शिक्षकों का टोटा, 44 में से सिर्फ 15 कार्यरत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक और व्याख्याता के 29 पद खाली हैं। इन पदों पर पिछले 22 साल से नियमित भर्ती नहीं हुई है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सीएम विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर तत्काल भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। डॉ. महंत ने पत्र में बताया कि प्रदेश के एकमात्र शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना साल 2003 में हुई थी। उस समय 44 पद स्वीकृत किए गए थे। भर्ती प्रक्रिया में 26 अभ्यर्थियों का चयन हुआ, जबकि 18 पद खाली रह गए थे।



26 में से अब सिर्फ 15 शिक्षक कार्यरत

महंत के मुताबिक, साल 2004 में नियुक्त 26 सहायक प्राध्यापकों और व्याख्याताओं में से अब केवल 15 ही कार्यरत हैं। इस तरह कुल 29 पद खाली हो चुके हैं। इन पदों पर लंबे समय से नियमित नियुक्तियां नहीं की गई हैं।

पढ़ाई से लेकर मरीजों के इलाज तक असर

डॉ. महंत ने पत्र में कहा कि शिक्षकों की कमी का असर कॉलेज की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध कार्य और अस्पताल की ओपीडी पर पड़ रहा है। इससे गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों को बेहतर दंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में भी परेशानी हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग या चिकित्सा शिक्षा विभाग के माध्यम से खाली पदों पर नियमित भर्ती प्रक्रिया तत्काल शुरू कराने के निर्देश देने की मांग की है।

महादेव सट्टा ऐप मामले में सीबीआई ने 6 राज्यों में 33 ठिकानों पर मारे छापे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

नई दिल्ली/रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में सीबीआई ने छह राज्यों में 33 ठिकानों पर छापेमारी की। दिल्ली, मुंबई, नागपुर, अमृतसर, भोपाल और रायपुर में पैनल संचालकों के परिसरों से डिजिटल उपकरण, मोबाइल और दस्तावेज बरामद किए गए। कई जगह लाइव सट्टा पैनल सक्रिय मिले, जिन्हें बंद करा दिया गया। जब्त सामग्री से म्यूल खातों और हवाला नेटवर्क के इस्तेमाल के संकेत मिले हैं।



सौरभ चंद्राकर से पूछताछ के बाद कार्रवाई

सौरभ चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद सीबीआई ने 1 नवंबर को गिरफ्तार किया था। रायपुर की विशेष अदालत ने उसे 8 दिन की पुलिस हिरासत में सौंपा था। पूछताछ में ऐप के संचालन और देशभर में फैले पैनल संचालकों के नेटवर्क की जानकारी मिली। सीबीआई प्रवक्ता बीना यादव के मुताबिक महादेव ऑनलाइन बुक का संचालन विदेश स्थित मुख्य कार्यालय से होता था, भारत में नेटवर्क पैनल संचालकों के जरिए चलता था।

6 हजार करोड़ रुपये के घोटाले की जांच

छत्तीसगढ़ सरकार से जांच मिलने के बाद सीबीआई ने दो एफआईआर दर्ज की हैं। करीब 6,000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में क्रिकेट, फुटबॉल, ताश और अन्य आयोजनों पर सट्टे के नेटवर्क की जांच हो रही है। विदेश में मौजूद आरोपियों, मददगारों और संबंधित सरकारी कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच जारी है। फरार आरोपियों के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया चल रही है।

दूसरों के नाम पर खाते, हवाला से विदेश भेजते थे रकम

पैनल संचालक ग्राहकों की आईडी संभालते थे और सट्टे की रकम दूसरे लोगों के नाम पर खोले गए या किराये पर लिए गए खातों में जमा कराते थे। मुनाफे की रकम हवाला के जरिए विदेश भेजी जाती थी। म्यूल खातों का इस्तेमाल अवैध धन को प्राप्त करने, स्थानांतरित करने और स्रोत छिपाने के लिए किया जाता था।

ईडी ने भी सौरभ को किया गिरफ्तार

सीबीआई की हिरासत खत्म होने के बाद 12 नवंबर को विशेष अदालत ने सौरभ को 19 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा था। इसके बाद 13 नवंबर को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच में उसे गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। सीबीआई ने चेतावनी दी है कि ऑनलाइन सट्टेबाजी-जुआ गैरकानूनी है। अपना बैंक खाता, सिम कार्ड या पहचान दस्तावेज किराये पर देना भी आपराधिक कार्रवाई का कारण बन सकता है।

एसडीएम के आदेश के बाद भी नहीं चढ़ रहा नाम, तहसीलों में भटक रहे लोग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को 13 नवंबर को एक महीना पूरा हो गया। इससे रोज 15 हजार से ज्यादा रजिस्ट्री, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, फौती, रकबा सुधार और आय-जाति प्रमाण पत्र के काम प्रभावित हैं। 5 लाख से ज्यादा राजस्व काम अटकने की आशंका है। तहसीलदार और एसडीएम के आदेश के बाद भी पटवारी प्रतिवेदन और रिकॉर्ड सुधार नहीं होने से प्रकरणों का निराकरण नहीं हो रहा। डिजिटल रिकॉर्ड नहीं चढ़ पा रहा, जिससे रजिस्ट्री और लेनदेन अटके हैं। अधिवक्ता दिलीप साहू के अनुसार जिन मामलों में पहले रिकॉर्ड दुरुस्त कराना जरूरी है, उनमें रजिस्ट्री नहीं हो रही। दस्तावेज लेखक जीडी खान के अनुसार दीपावली में भी रजिस्ट्री प्रभावित रही। टिकरापारा की कुसुम धीवर को बेटे तुषार के लिए आय प्रमाण-पत्र चाहिए, लेकिन पटवारी नहीं मिलने से आवेदन ही नहीं हो पा रहा।



तीन मामलों से समझिए परेशानी

केस-1: कवाबांधा के परमेश्वर साहू की मृत्यु के बाद बेटों विनोद और देवशरण के नाम फौती नहीं चढ़ी।

केस-2: सुंदर नगर के सुरेंद्र सोनकर का भाई से बंटवारा विवाद है, सीमांकन महीनेभर से अटका है।

केस-3: रायपुरा के सुरेंद्र कुशवाहा का नामांतरण एसडीएम से आदेश के बाद भी रिकॉर्ड में नहीं चढ़ा।

तहसीलदारों की एक दिन की हड़ताल का भी असर

शुक्रवार को 500 से ज्यादा तहसीलदार-नायब तहसीलदार सामूहिक अवकाश पर रहे। 252 तहसीलों में काम प्रभावित हुआ, 20 हजार से ज्यादा प्रकरणों की सुनवाई टली। संघ अध्यक्ष पेखन टोंडे के अनुसार डिजिटल क्रॉप सर्वे, पीवी ऐप और एग्रीस्टैक में तकनीकी समस्याएं हैं, सुधार का पर्याप्त विकल्प नहीं है।

हड़ताल क्यों

पटवारी वेतन विसंगति दूर करने, वेतनमान-ग्रेड पे सुधार, वरिष्ठता पर पदोन्नति, रिक्त पदों पर भर्ती, अतिरिक्त हल्कों के प्रभार का भुगतान, लैपटॉप-इंटरनेट, अतिरिक्त काम और डिजिटल सर्वे का बोझ कम करने और यात्रा भत्ता मांग रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विभाग ने कहा - पहले काम पर लौटें, फिर बात होगी। पटवारी संघ का शुक्रवार शाम तक रुख नहीं बदला, हड़ताल जारी है।

कबरा हाथी ने 17 हाथियों के दल पर किया कब्जा, ड्रोन में 18 हाथी दिखे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

उदयपुर। सरगुजा में आतंक का पर्याय बन चुके कबरा कान हाथी 17 हाथियों के दल के मुखिया से संघर्ष करने के बाद कुसुआमुड़ा जंगल में डटा है, ऐसे में हाथियों की संख्या 18 हो गई है। वन विभाग और ग्रामीणों के मुताबिक, रात करीब 10 बजे तक कबरा कान और एक अन्य हाथी के बीच भीषण लड़ाई चली। लड़ाई के दौरान जंगल में गूंजी तेज चिंघाड़ से पूरा सायर गांव थर्रा गया। लड़ाई के बाद कबरा ने पुराने मुखिया को ग्रुप से बाहर खदेड़ दिया था, बाद में सभी एक जगह डटे नजर आए। वन विभाग को उम्मीद है कि, हाथियों के समूह का मुखिया बनने के बाद कबरा कान हाथी के आक्रामक स्वभाव में बदलाव आ सकता है।

बताया जा रहा है कि, लड़ाई के बाद कबरा हाथी दल के साथ लड़ाई स्थल से करीब दो किलोमीटर दूर कुसुआमुड़ा के जंगल में डटा है, जहां कुछ दिन पहले मादा हथिनी मृत पाई गई थी। यहां कबरा कान हाथी के साथ 18 हाथियों का दल एक साथ मौजूद है। ड्रोन के थर्मल इमेज में भी दल की लोकेशन वहीं मिली है। वन विभाग का अमला और हाथी मित्र दल के एलीफेंट ट्रैकर लगातार निगरानी रख रहे हैं। वनरक्षक मुकेश कुमार राठौर का कहना है कि कबरा कान हाथी 17-18 महीने बाद उदयपुर परिक्षेत्र में प्रवेश किया है, जो बहुत ही आक्रामक और उत्पाती है। 12 नवम्बर को झिरमिट्टी में एक को मौत के घाट उतारने के बाद दो कुमकी हाथियों के माध्यम से ट्रैंक्विलाइज कर पकड़ने का अभियान चलाया गया है, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। अभियान जारी रहेगा। इसे रेस्क्यू करने के बाद रमकोला रेस्क्यू सेंटर ले जाया जाएगा।

घेराबंदी करके ट्रैंक्विलाइज की तैयारी

मौके पर मौजूद वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि, लोनर एलिफेंट अपने झुंड से अलग रहता है। इस क्षेत्र में इसके द्वारा कई घटनाएं की गई हैं। सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर इलाके तक इसकी दहशत है। शुक्रवार से ही उदयपुर में इसकी घेराबंदी करके ट्रैंक्विलाइज करने की तैयारी चल रही है। कुमकी हाथियों की टीम मौके पर है, डॉक्टर मौजूद हैं, फील्ड ट्रैकिंग का सिलसिला अनवरत जारी है। ट्रैंक्विलाइज टीम लास्ट लोकेशन के पास है। सुरक्षित स्थिति होने पर ही ट्रैंक्विलाइज की प्रोसेस पूरी की जाएगी।

देर रात चिंघाड़ से थर्राया इलाका, रेस्क्यू में अब तक सफलता नहीं



ढाई महीने से 26 हाथियों का दल मंडरा रहा

ग्रामीण बृज कुमार सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि ढाई महीने से 26 हाथियों का दल उनके लिए खतरा बना हुआ है। फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। दो दिन पहले इस क्षेत्र में प्रवेश किया कबरा कान हाथी का खौफ कुछ अधिक ही है। काफी आक्रामक स्वभाव होने के कारण इलाके के लोगों की नींद उड़ गई है। छोटे-छोटे बच्चों के साथ ठंड में आग तापकर वे रतजगा करने विवश हैं। घर के अंदर-बाहर वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जन-जीवन के लिए खतरा बने हाथी को सिर्फ रेडियो कॉलर लगाना पर्याप्त नहीं है, अभ्यारण्य में भेज देना चाहिए, ताकि हाथी भी सुरक्षित रहें और यहां की जनता और फसल भी सुरक्षित रहे।

सुरक्षा के चलते इलाके के 18 स्कूल बंद

कबरा हाथी की अनियमित चाल और आक्रामकता को देखते हुए शिक्षा विभाग ने एहतियात बरता है। शुक्रवार को हाथी झिरमिटी के जंगलों में था, तो झिरमिटी संकुल के 6 स्कूल बंद किए गए थे। शनिवार को सायर क्षेत्र में होने से सायर संकुल के 10 स्कूल और महेशपुर संकुल के 2 स्कूल, करीब डेढ़ दर्जन विद्यालय बंद कर दिए गए हैं। रविवार को अवकाश रहने के कारण वैसे भी स्कूल बंद रहेंगे। प्रधान पाठकों को एसएमसी सदस्यों के माध्यम से बच्चों तक सूचना पहुंचाने के लिए कहा गया है।

तीन किमी दूर तक आई चिंघाड़ने की आवाज

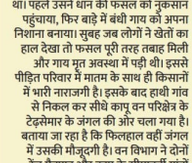
उप सरपंच चंद्र यादव ने कहा कि पिछले दो दिनों से कबरा हाथी को पकड़ने के लिए रेस्क्यू अभियान चल रहा है। शुक्रवार को सुबह दो प्रशिक्षित हाथी जंगल में घुस के खोजबीन किए, पता नहीं चला। रात को हाथियों का दल बाहर खेत में आया, रात करीबन 10 बजे हाथी पूरा धान खा गए और आपस में उनकी लड़ाई भी हुई। जोर-जोर से चिंघाड़ने का आवाज आ रहा था, लगभग तीन किलोमीटर दूर तक इनके चिंघाड़ की आवाज सुनने को मिली। उप सरपंच ने बताया कि लड़ाई के बाद एक हाथी रात करीब 12 बजे भटककर उनके खेत में आ गया था, लेकिन नुकसान नहीं किया और वापस अपने दल में मिल गया। शनिवार को सुबह से रेस्क्यू चल रहा है, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

ग्रामीणों ने की मुआवजे की मांग

पीड़ित किसान राजकुमार यादव और अन्य किसानों ने वन विभाग से फसल नुकसान और गाय की मौत का आंकलन मौके पर आकर करने और नियमानुसार मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि धान ही उनकी साल भर की आजीविका है। हाथी के हमले से उनकी साल भर की मेहनत पर पानी फिर गया है। फिलहाल वन अमला हाथी की ट्रैकिंग और ग्रामीणों से अपील कर रहा है कि रात में अकेले खेत या जंगल की ओर न जाएं, हाथी दिखने पर दूरी बनाए रखें और तुरंत वन विभाग को सूचना दें।

मैनपाट में धान फसल रौंदा दंतैल, गाय को कुचल कर कापू रेंज की ओर भागा

वन परिक्षेत्र मैनपाट अंतर्गत ग्राम कंडराजा में देर रात एक अकेले नर दंतैल हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। हाथी ने खेतों में खड़ी पकी धान की फसल को खा कर और रौंद कर बर्बाद कर दिया। इसी दौरान उसने गांव के किसान राजकुमार यादव की गाय पर हमला कर दिया, उसे कुचलने से मौके पर ही गाय



की मौत हो गई।

घटना के बाद से पूरे कंडराजा गांव में दहशत है। ग्रामीणों के मुताबिक आधी रात के बाद हाथी खेत की तरफ से बस्ती में घुस आया था। पहले उसने धान की फसल को नुकसान पहुंचाया, फिर बाड़े में बंधी गाय को अपना निशाना बनाया। सुबह जब लोगों ने खेतों का हाल देखा तो फसल पूरी तरह तबाह मिली और गाय मृत अवस्था में पड़ी थी। इससे पीड़ित परिवार में मातम के साथ ही किसानों में भारी नाराजगी है। इसके बाद हाथी गांव से निकल कर सीधे कापू वन परिक्षेत्र के टेढ़सेमार के जंगल की ओर चला गया है। बताया जा रहा है कि फिलहाल वहीं जंगल में उसकी मौजूदगी है। वन विभाग ने दोनों रेंज मैनपाट और कापू के सीमावर्ती गांवों में मुनादी करा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि मैनपाट-कापू बॉर्डर पर हाथियों का आना-जाना आम हो गया है। शाम ढलते ही दल या अकेला हाथी खेतों और घरों तक पहुंच जाता है। लोगों को रात भर टॉर्च, मशाल और ढोल-नगाड़े लेकर पहरा देना पड़ रहा है। बच्चों और मवेशियों को लेकर सबसे ज्यादा डर बना हुआ है।

गांधी स्टेडियम और चौपाटी से 5 बाइक चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, 3 लाख की बाइक बरामद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर के गांधी स्टेडियम और चौपाटी क्षेत्र में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं का कोतवाली पुलिस ने खुलासा किया है। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देशन में पुलिस ने बिहार के रोहतास निवासी विजय गुप्ता (50 वर्ष), हाल निवासी केदारपुर अंबिकापुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 3 लाख रुपये कीमत की चोरी की 5 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं।



पुलिस के अनुसार, 12 नवंबर को गांधी स्टेडियम के बाहर से आदित्य कुजूर की बाइक चोरी हुई थी। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर आरोपी को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने गांधी स्टेडियम और चौपाटी क्षेत्र से पांच बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की। बरामद वाहनों में होंडा ड्रीम युगा, बजाज सीटी, स्प्लेंडर प्लस और दो होंडा ड्रीम शाइन शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

धान बेचने वाले किसानों को 13,839 रुपये प्रति एकड़ मिलेगा आदान सहायता

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। धान उत्पादक किसानों को खेती में पर्याप्त निवेश और कास्त लागत में राहत देने के लिए राज्य शासन ने खरीफ 2026 से कृषक उन्नति योजना के क्रियान्वयन के नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत खरीफ विपणन वर्ष

कम धान बेचने पर भी मिलेगी पूरी राशि

2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को बोए गए रकबे के आधार पर 13,839 रुपये प्रति एकड़ की एकसमान दर से आदान सहायता राशि दी जाएगी। जिले में 15 नवंबर से 54 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी शुरू हो रही है और यहाँ धान बेचने वाले सभी पात्र किसानों को इसका लाभ मिलेगा। यह राशि 3100 रुपये और कॉमन धान के समर्थन मूल्य 2441 रुपये के अंतर, यानी 659 रुपये को प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल से गुणा कर तय की गई है। राशि किसानों के आधार लिंक्ड बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से सीधे भेजी जाएगी।



योजना की सबसे बड़ी राहत यह है कि प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम धान बेचने पर भी किसान को पूरे बोए गए रकबे के लिए 13,839 रुपये प्रति एकड़ की पूरी राशि मिलेगी। उदाहरण के लिए, एक एकड़ में धान बोने वाला किसान केवल 15 क्विंटल धान बेचे, तब भी उसे 13,839 की सीमा के बजाय केवल 38 क्विंटल धान बेचे, 34,597.50 रुपये की सहायता राशि मिलेगी। योजना का लाभ लेने के लिए किसान का एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य है। किसानों को धान विक्रय का टोकन लेते समय ही योजना के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा। बोए गए रकबे की पुष्टि डिजिटल क्रॉप सर्वे से होगी। जहाँ डिजिटल क्रॉप सर्वे का डेटा उपलब्ध नहीं है, वहाँ कलेक्टर की अनुमति से गिरदावरी के आधार पर रकबे का सत्यापन होगा। पिछले वर्ष धान न बेचने वाले जो किसान इस वर्ष धान बेचेंगे, उनके रकबे का सत्यापन भी कलेक्टर द्वारा कराया जाएगा। बीज निगम को धान बीज बेचने वाले पंजीकृत बीज उत्पादक किसान भी योजना के पात्र होंगे। ग्रीष्मकालीन धान पर यह योजना लागू नहीं होगी। ट्रस्ट, मंडल, निजी कंपनियाँ, शाला विकास समिति और शासकीय संस्थान भी इसके पात्र नहीं होंगे। राशि का भुगतान कृषि भूमि सीलिंग कानून के प्रावधानों के अधीन होगा। पात्रता से अधिक भुगतान होने पर संबंधित किसान से राशि वसूल की जा सकेगी।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे कृषक उन्नति योजना का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टैक में अपना पंजीयन अवश्य सुनिश्चित करें और बैंक खाता आधार से लिंक रखें। उन्होंने कहा कि धान विक्रय का टोकन लेते समय ही योजना के लिए आवेदन करना न भूलें, ताकि आदान सहायता राशि समय पर सीधे उनके खाते में पहुँच सके। किसी भी जानकारी या समस्या के लिए किसान अपनी नजदीकी सहकारी समिति या कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

वाड्रफनगर की सहकारी समितियों में रबी बीजों का 88 प्रतिशत भंडारण पूरा, किसान समय पर लें प्रमाणित बीज

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। रबी वर्ष 2026-27 में किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में कृषि विभाग किसानों की मांग के अनुरूप बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है। इसी कड़ी में वाड्रफनगर विकासखंड की सहकारी समितियों में रबी फसलों के बीजों का भंडारण किया जा रहा है। निर्धारित 145 क्विंटल के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 128 क्विंटल बीज का भंडारण हो चुका है, जो लक्ष्य का लगभग 88 प्रतिशत है।

उप संचालक कृषि ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे रबी फसलों की बोनी के लिए समय पर सहकारी समितियों से प्रमाणित बीज प्राप्त करें। उन्होंने किसानों से अनुशंसित फसल किस्मों और उन्नत तकनीकों को अपनाकर अधिक उत्पादन लेने का आग्रह किया है।

धान खरीदी में अवैध परिवहन पर नजर रखने जिला स्तरीय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर गठित, कलेक्ट्रेट में नियंत्रण कक्ष स्थापित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान उपार्जन को सुचारू रूप से संपन्न कराने तथा धान के अवैध परिवहन की रोकथाम और निगरानी के लिए कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिला स्तरीय एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर टीम और उड़नदस्ता दल का गठन किया है। इसके लिए कलेक्टोरेट स्थित खाद्य शाखा के कक्ष क्रमांक 19 में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यह कक्ष जिले को प्राप्त अलर्ट का समाधान भी करेगा। टीम में अपर कलेक्टर श्री अभिषेक गुप्ता, उप संचालक कृषि श्री अनिल कुमार वर्मा, खाद्य अधिकारी श्री सचिन मरकाम, सहायक पंजीयक एवं सहायक आयुक्त सहकारिता श्री सुरेश पैंकरा, जिला विपणन अधिकारी सुश्री प्रीतिका पूजा केरकेट्टा, नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक श्री जसबीर सिंह मकड़ू, कृषि उपज मंडी रामानुजगंज के सचिव श्री विरेन्द्र ठाकुर, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी श्री के.पी. मिश्रा और ई-जिला प्रबंधक श्री देवेश्वर कश्यप शामिल हैं।

कलेक्टर ने टीम को धान खरीदी में अनियमितता से जुड़े 'सतर्क' ऐप पर आने वाले अलर्ट और टिकट का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

पीएमश्री जयनगर में धूमधाम से मनी विरसा मुंडा जयंती

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पीएमश्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल जयनगर में आज धरती आंबा भगवान विरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती रचना सिंह उपस्थित रहीं। अन्य अतिथियों में शांतनु सिंह, देवधन राम बिंझिया, सांसद प्रतिनिधि देवशरण सिंह, प्राचार्य प्रतिनिधि शशि शेखर, कृष्ण पाल बिंझिया मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान विरसा मुंडा एवं मां भारती की छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। नन्हे बच्चों द्वारा जनजाति परंपरा पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया। विद्यालय के परिवार सभी समुदायों द्वारा धरती आंबा भगवान विरसा मुंडा की जयंती अवश्य सुनिश्चित करें आधार से लिंक व्यक्त किए गए। सांसद प्रतिनिधि देवशरण सिंह ने कहा कि विरसा मुंडा द्वारा देशवासियों को ब्रिटिश सरकार द्वारा शोषण, सताये जा समाज के अधिकार के लिए जनजाति समाज को संगठित कर ब्रिटिश सरकार के लिए बिगुल फूंका कड़ी संघर्ष किए। महज 25 वर्ष की उम्र में जनजाति समाज के जल, जंगल व जमीन के लिए लड़ते लड़ते शहीद हो गए। देवधन राम बिंझिया ने कहा कि 15 नवंबर को पूरे विश्व में जनजाति गौरव दिवस शासन स्तर पर मनाया जा रहा है। शांतनु सिंह ने कहा कि भगवान विरसा मुंडा की जीवन चरित्र से हमें सीख लेनी चाहिए और उनके चरित्र को हमारे जीवन में उतारने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि श्रीमती रचना सिंह ने सभी अतिथियों सभी को शुभकामनाएं दी। मंच संचालन श्रीमती अमृता सिंह किया व आभार शशि शेखर ने व्यक्त किया।



स्मार्ट पीडीएस पोर्टल से तुर्रीडीह तक पहुँची डिजिटल सेवा, 90 प्रतिशत दिव्यांग मीना टोप्पो बनीं जनपद पंचायत बलरामपुर की पहली अंत्योदय कार्डधारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए शुरू किया गया स्मार्ट पीडीएस पोर्टल अब दूरस्थ गाँवों के जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है। इसका उदाहरण जनपद पंचायत बलरामपुर की ग्राम पंचायत सरनाडीह के आश्रित ग्राम तुर्रीडीह में देखने को मिला। यहाँ की 90 प्रतिशत दिव्यांग कु. मीना टोप्पो को स्मार्ट पीडीएस पोर्टल के माध्यम से अंत्योदय राशन कार्ड प्रदान किया गया है। यह जनपद पंचायत बलरामपुर में इस पोर्टल से बना पहला अंत्योदय राशन कार्ड है। अब उन्हें पात्रता के अनुसार हर महीने 35 किलोग्राम चावल नियमित रूप से मिलेगा।



गंभीर दिव्यांगता के कारण कार्यालयों तक बार-बार आना-जाना मीना टोप्पो के लिए कठिन था। डिजिटल व्यवस्था ने यह प्रक्रिया आसान बना दी और उनके परिवार को खाद्य सुरक्षा का स्थायी सहारा मिल गया।

स्मार्ट पीडीएस पोर्टल पर नागरिक घर बैठे नए राशन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। परिवार के नए सदस्य का नाम जोड़ने, नाम हटाने और जानकारी में सुधार की सुविधा भी पोर्टल पर उपलब्ध है। आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक की जा सकती है। राशन वितरण में गड़बड़ी रोकने के लिए ई-केवाईसी और ई-पॉस मशीन से बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही खाद्यान्न दिया जाता है। जिला प्रशासन ने पात्र परिवारों से इस सुविधा का लाभ लेने की अपील की है।

सारंगवा में ग्रामीणों को टोनही प्रताड़ना, घरेलू हिंसा और बाल विवाह के प्रति किया जागरूक

भ्रांतियाँ दूर करने गाँव पहुँचा प्रशासन, ग्रामीणों ने कुप्रथाओं के विरुद्ध सहयोग का दिलाया भरोसा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। पस्ता क्षेत्र के ग्राम सारंगवा में अंधविश्वास और भ्रांतियों से जुड़ा मामला संज्ञान में आते ही जिला प्रशासन ने त्वरित और संवेदनशील पहल की है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम आज ग्राम पंचायत सारंगवा के पंडोपारा पहुँची और ग्रामीणों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य गाँव में फैली भ्रांतियों को दूर करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना है। कार्यक्रम में ग्रामीणों को टोनही प्रताड़ना, घरेलू हिंसा, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और बाल विवाह के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।



अधिकारियों ने बताया कि किसी भी महिला को टोनही बताकर प्रताड़ित करना कानूनन गंभीर अपराध है। उन्होंने ग्रामीणों से अंधविश्वास से दूर रहने और बीमारी या किसी समस्या की स्थिति में झाड़-फूंक की बजाय डॉक्टर और शासकीय स्वास्थ्य केंद्र की मदद लेने की अपील की। ग्रामीणों को घरेलू हिंसा, दहेज और बाल विवाह से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए ऐसी किसी भी घटना की सूचना तुरंत पुलिस, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या महिला एवं बाल विकास विभाग को देने को कहा गया। बेटियों को शिक्षा और आगे बढ़ने का समान अवसर देने के लिए भी प्रेरित किया गया।

प्रशासन की इस पहल को ग्रामीणों का सकारात्मक सहयोग मिला। उपस्थित ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने समाज से अंधविश्वास और कुप्रथाओं को दूर करने में भागीदारी का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर सरपंच, उपसरपंच, पंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, प्रभारी परियोजना अधिकारी, महिला संरक्षण अधिकारी, सेक्टर पर्यवेक्षक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

डीएवी पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मना बाल दिवस



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। डीएवी पब्लिक पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर में प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती के मार्गदर्शन में 14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर हर्षोल्लासपूर्वक बाल दिवस का आयोजन किया गया। विद्यालय प्राचार्य एवं अध्यापक-अध्यापिकाओं द्वारा पंडित नेहरू के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके प्रति श्रद्धाभाव व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक- अध्यापिकाओं द्वारा समूह गान, नृत्य तथा वरिष्ठ शिक्षक एम चौबे एवं अध्यापक अमूल्य भोई के निर्देशन में हास्य एवं शिक्षाप्रद नाटक अनमोल रिश्ते की प्रस्तुति सहित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्री प्राइमरी विंग की नर्सरी कक्षा से दूसरी कक्षा के नन्हे नन्हे बच्चों के मनोविनोद के लिए हुले लूप रेस, बैलेंसिंग दे कोन, पेयर रेस, चेन रेस, रोलिंग द बाल बाई हैंड, कीप अप द कोन रेस और ज़ीड़ा अध्यापक पीके वैद्य एवं खेल शिक्षिका चित्रावती मिश्रा के नेतृत्व में कक्षा तीसरी से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं के मनोरंजन के लिए स्टोमक बाल बैलेंसिंग रेस, स्पॉट जंप एंड बाल पीक,पिकअप रिले रेस,पार्टनर पिग्गी बेक रेस, फुटबॉल ड्रीबलिंग रेस विथ स्टंप, शटल रन, टेनिस बॉल ड्रीबलिंग रेस, कोन कलेक्शन रेस, पुशअप, जग ऑफ वॉर रस्सा खींच आदि खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कक्षावार आयोजित सामूहिक नृत्य में बच्चे अपने नृत्य कौशल का परिचय देते हुए खुशी से झूम उठे। विविध प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं को प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती द्वारा मेडल पहनाकर उन्हें पुष्पगुच्छ प्रदान किया गया। प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती ने कहा कि पंडित नेहरू बच्चों से अत्यधिक प्रेम करते थे, इसलिए बच्चे भी प्यार से उन्हें चाचा नेहरू कहकर संबोधित करते थे। उन्होंने बच्चों को नैतिक मूल्यों को आत्मसात कर अपने माता-पिता, शिक्षकों और बड़े बुजुर्गों का हमेशा सम्मान कर उनकी आज्ञा पालन करने की बात कही। बच्चे देश के भविष्य एवं कर्णधार होते हैं। उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हम सभी का नैतिक दायित्व है। उनके सर्वांगीण विकास के लिए हम सभी को हमेशा तत्पर रहना चाहिए।कार्यक्रम का संचालन अध्यापक पीके वैद्य ने किया।

नशामुक्त जिला और सुरक्षित सड़कें प्राथमिकता, एनसीओआरडी सड़क सुरक्षा समिति की संयुक्त बैठक संपन्न

★ स्कूल-कॉलेज के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध, मेडिकल स्टोर्स की होगी नियमित जांच ★ यातायात नियम तोड़ने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस होंगे निरस्त, अवैध पार्किंग हटाने के निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में एनकॉर्ड की जिला स्तरीय समिति और जिला सड़क सुरक्षा समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उपायों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि नशा और सड़क दुर्घटनाएँ, दोनों ही परिवार और समाज को गहरी क्षति पहुँचाते हैं, इसलिए सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ काम कर जिले को नशामुक्त और सड़कों को सुरक्षित बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास करें।

कलेक्टर ने पुलिस और आबकारी विभाग को अवैध शराब, गांजा और प्रतिबंधित नशीली दवाओं के कारोबारियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने तथा सीमावर्ती और संदिग्ध स्थानों पर नियमित चेकिंग व संयुक्त छापामार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ड्रग इंस्पेक्टर को मेडिकल स्टोर्स का नियमित निरीक्षण करने और बिना डॉक्टर के पर्चे के नशीली दवाएँ बेचने वालों पर कानूनी कार्रवाई कर आवश्यकता होने पर लाइसेंस निलंबित करने को कहा। स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थानों के आसपास तंबाकू व अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश भी दिए गए। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए शिक्षा और समाज कल्याण विभाग के सहयोग से सेमिनार, रैली और कार्यशालाओं के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने तथा नशा प्रभावितों की काउंसलिंग और पुनर्वास व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

सड़क सुरक्षा की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने ड्रिंक एंड ड्राइव, ओवरलोडिंग और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई करने तथा आवश्यकता होने पर ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध पार्किंग हटाने और स्कूलों के आसपास यातायात व्यवस्था सुधारने को कहा। बैठक में दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान, सुरक्षित सड़क निर्माण, ट्रैफिक प्रबंधन और गति नियंत्रण पर चर्चा हुई। नशे और सड़क सुरक्षा, दोनों विषयों पर नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार अभियान चलाने पर बल दिया गया।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, ड्रग इंस्पेक्टर सहित दोनों समितियों के सदस्य और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा शिवनंदनपुर मंडल की बैठक में संगठन मजबूती पर जोर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा मंडल शिवनंदनपुर की मासिक बैठक ग्राम पंचायत भवन सिलफिली में सम्पन्न हुआ। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि सुरेन्द्र राजवाड़े उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में देवधन राम बिंझिया, मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े, दिलीप समद्दार, शितिकांत स्वाई, देवशरण सिंह, मंजित सिंह भामरा उपस्थित रहे।स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े ने दिया। जिला उपाध्यक्ष देवधन राम बिंझिया ने कहा कि 15 नवंबर को धरती आंबा भगवान विरसा मुंडा की अवतरण दिवस है। प्रशासन भी स्कूल, कालेज में कार्यक्रम आयोजित करने की दिशा -निर्देश दिए हैं। साथ ही धरती आंबा भगवान् विरसा मुंडा की जयंती पर राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य की रायगढ़ जिले की धरमजयगढ़ में 15 नवंबर को कार्यक्रम आयोजित है, जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन



नितिन सिरकत करेंगे। मुख्य अतिथि सुरेन्द्र राजवाड़े ने कहा कि हमें अपने मंडल टीम को और अधिक संगठित करने की आवश्यकता है। प्रदेश संगठन द्वारा जो दिशा निर्देश जारी किए जाते हैं, हमें समय पर पुरा करना है। बुथ स्तर पर परिचय कार्ड बनाने डेटा मंगाया जा रहा है, सभी समय पर पुरा करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की धान खरीदी की संकल्प को बताते हुए कहा कि हमारी सरकार किसानों की 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी करेगी, और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी करेगी।

इस दौरान महेश जायसवाल, कृष्ण पाल बिंझिया, विवेक जायसवाल, पवन वर्मन, शांतनु सिंह, मालती विश्वास, अंकित दुबे, सूरज कुशवाहा, पार्वतीपुर सरपंच चन्द्रदेव तिर्की, ओम राजवाड़े, मनियारो राजवाड़े, देवती सिंह, रिता भगत, पूनम कुशवाहा, साधना कुशवाहा, पिंकी मंडल, बल्लू हालदार, दिनेश राजवाड़े, राहुल साहा, अजय कुमार यादव, देवनारायण राजवाड़े व अन्य उपस्थित रहे। मंच संचालन देवशरण सिंह एवं आभार विवेक जायसवाल ने व्यक्त किया।





श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

जनजातीय गौरव दिवस

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर शत् शत् नमन

मुख्य अतिथि

श्री नितिन नवीन

माननीय राज्यसभा सांसद

15 नवंबर 2026

समय - प्रातः 9 बजे

दशहरा मैदान, धरमजयगढ़
जिला - रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

समावेशी विकास एवं उत्थान

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से **6,691** गांवों के **11 लाख** से अधिक परिवार और **पीएम-जनमन** से **1,544** गांवों के **56,569** परिवार लाभान्वित

संस्कृति और विरासत का संरक्षण

₹50 करोड़ की लागत से शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का निर्माण



महिला सशक्तीकरण

19.89 लाख से अधिक जनजातीय महिलाओं को **₹629.64** करोड़ अंतरित मिल रहा **महतारी वंदन योजना** का लाभ

सुरक्षित भविष्य की आधारशिला

75 एकलव्य और **14 प्रयास** आवासीय विद्यालय संचालित, **34 हजार** से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित

सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन

9.86 लाख जनजातीय परिवारों को **पक्के आवास**

वन अधिकारों से सशक्तीकरण

4.88 लाख से अधिक व्यक्तिगत, **46,868** सामुदायिक और **4,412** सामुदायिक वन संसाधन **अधिकार पत्र वितरित**

समृद्धि । सम्मान । सर्वांगीण विकास

आर.ओ.नं.-49787/27

चिंतन

खाद पर सब्सिडी जारी रखना उचित कदम

किसान पहले ही महंगे डीजल, बीज, कीटनाशकों और मजदूरी की मार झेल रहे हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों और कच्चे माल की कीमतें बढ़ने के बावजूद केंद्र सरकार ने सब्सिडी का बोझ खुद उठाकर किसानों को राहत देने का फैसला किया है। रबी सीजन 2026-27 के लिए 62,370 करोड़ रुपये की सब्सिडी और डीएपी की 50 किलो की बोरी का मूल्य 1,350 रुपये पर बरकरार रखना स्वागतयोग्य कदम है। सवाल यह है कि जब खेती की लागत लगातार बढ़ रही है और फसल का उचित मूल्य हासिल करना भी किसानों के लिए चुनौती बना हुआ है, तब खाद पर मिलने वाली राहत को कैसे कम किया जा सकता है? पश्चिम एशिया में जारी संकट और रूस-यूक्रेन युद्ध ने अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखला तथा उर्वरकों के कारोबार को प्रभावित किया है। कच्चे माल की महंगाई का असर खाद की कीमतों पर पड़ना स्वाभाविक है। ऐसे में पिछले रबी सीजन के मुकाबले सब्सिडी में 24,418 करोड़ रुपये की वृद्धि सरकार की किसान हितैषी नीति को दर्शाती है। लेकिन यह भी समझना होगा कि उर्वरक सब्सिडी केवल सरकारी खजाने से दी जाने वाली आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन और खाद्य सुरक्षा को बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। खाद महंगी होने का असर अंततः उत्पादन लागत और खाद्य पदार्थों की कीमतों पर भी पड़ सकता है। इसके बावजूद खाद वितरण की जमीनी व्यवस्था पर सवाल बने हुए हैं। कई बार किसानों को सीजन के दौरान खाद के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। कहीं कि़ल्लत तो कहीं कालाबाजारी और निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली की शिकायतें सामने आती हैं। ऐसे में सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि सब्सिडी का लाभ वास्तविक किसानों तक पहुंचे। खाद की उपलब्धता, वितरण और बिक्री की नियमित निगरानी हो तथा कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। आखिर जिस राहत के लिए सरकार हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है, उसका लाभ बिचौलियों या जमाखोरों की जेब में क्यों जाए? कैबिनेट का प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की ऋण गारंटी निधि को पांच साल बढ़ाने का फैसला भी छोटे कारोबारियों के लिए अहम है। पांच हजार करोड़ रुपये के कोष से अगले पांच वर्षों में 12.6 लाख करोड़ रुपये के ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। ऋण गारंटी शुल्क एक प्रतिशत से घटाकर 0.75 प्रतिशत करना भी सकारात्मक पहल है। सितंबर 2026 तक योजना के तहत 60.36 करोड़ से अधिक ऋण मंजूर किए जा चुके हैं, जिनकी राशि 43.34 लाख करोड़ रुपये है। यह छोटे कारोबारियों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने का बड़ा प्रयास है। यह देखना भी जरूरी है कि कितने छोटे उद्यम स्थापित हुए, कितनों ने रोजगार पैदा किया और कितने कारोबार कर्ज के बोझ से बाहर निकलकर आत्मनिर्भर बन पाए। कुल मिलाकर, खाद पर सब्सिडी जारी रखने और मुद्रा योजना की ऋण गारंटी को विस्तार देने का फैसला अर्थव्यवस्था के दो महत्वपूर्ण आधारों को मजबूती देने वाला है। किसान को खेती की बढ़ती लागत से राहत मिलेगी तो छोटे कारोबारियों को नए अवसर मिलेंगे। वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में सरकार का आर्थिक बोझ खुद उठाना दूरदर्शी कदम है। जरूरत इस बात की है कि इन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। साथ ही, घरेलू उत्पादन, स्वरोजगार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देकर ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिसमें किसान व उद्यमी आत्मनिर्भर बन सकें।



सियासत

प्रो.(डॉ) मनोज दयाल

क्या ट्रंप पर चलेगा महाभियोग

जिस अमेरिकी राष्ट्रपति ने पूरी दुनिया को अपनी शर्तों पर चलाने का सपना देखा था, आज वही अपने ही देश में राजनीतिक अस्तित्व बचाने की चुनौती से जूझ रहा है। चुनावी झटकों ने रिपब्लिकन पार्टी में असंतोष बढ़ा दिया है और 2026 के मध्यावधि चुनाव के बाद तीसरी बार महाभियोग की आशंका भी गहराने लगी है। पार्टी में बगावत और जनता की नाराजगी ने डोनाल्ड ट्रंप को दोहरी मुश्किल में डाल दिया है। ऐसे में उन्हें भारत के साथ व्यापार समझौते में राजनीतिक संजीवनी नजर आ रही है। सवाल है कि क्या भारत के साथ डील ट्रंप की डूबती नैया को सहारा दे पाएगी? क्या अमेरिका से बेहतर व्यापारिक शर्तें हासिल करने और एच-1बी वीजा पर राहत पाने का यह भारत के लिए सुनहरा अवसर है?

सांप छुछुंदर वाली स्थिति ..! दोहरी आफत में फंसे अमेरिकी राष्ट्रपति..! कुर्सी पर खतरे के बादल ..!, पार्टी में बगावत.. ! पर भारत से उम्मीद की डोर..! ये तो होना ही था ..! अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय अपने राजनीतिक जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने पर महाभियोग कि भी संभावना बनती दिख रही है । जिस व्यक्ति ने पूरी दुनिया को अपनी मुट्ठी में करने का सपना देखा था, वही आज अपनी ही कुर्सी बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। विश्व के गलियारों में अब एक ही सवाल गूंज रहा है -क्या जग जीत की चाह रखने वाले ट्रंप पर महाभियोग चलेगा? यह सवाल हवा में नहीं उठा है। इसके पीछे ठोस राजनीतिक कारण हैं। अमेरिका में हुए हाल के चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को करारी शिकस्त मिली है। न्यूयॉर्क के मेयर चुनाव से लेकर वर्जीनिया और न्यूजर्सी के गवर्नर चुनाव तक, डेमोक्रेट्स ने ट्रंप के उम्मीदवारों को धूल चटा दी है। यह सिर्फ हार नहीं, यह ट्रंप के खिलाफ जनमत संग्रह था। डेमोक्रेट्स के भारतीय मूल के अमेरिकी निथ्या रमन,राजीव पुरी,सब हैदर एवं ज्योति सिंह ने इस मध्यावधि चुनाव में अभूतपूर्व जीत हासिल कर अपना परचम लहराया है। अमेरिकी जनता ने साफ कह दिया है टैरिफ वॉर, महंगाई और अहंकार की राजनीति अब नहीं चलेगी।



क्या आज ट्रंप पर दोहरी आफत है? क्या कुर्सी जाने का खतरा बरकरार है? क्या पार्टी में फूट की कगार पर भी है? वास्तव में ट्रंप पर इस समय दोहरी आफत है। पहली आफत है- कुर्सी जाने का खतरा। दूसरी आफत है अपनी ही पार्टी में फूट। अमेरिकी संविधान में महाभियोग का प्रावधान है। अगर राष्ट्रपति पर गंभीर अपराध, सत्ता के दुरुपयोग या संविधान के उल्लंघन का आरोप सिद्ध हो जाए, तो प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) महाभियोग चला सकती है और सीनेट उन्हें पद से हटा सकती है। ट्रंप पर यह खतरा पहले भी मंडराया है। वे अमेरिका के इकलौते राष्ट्रपति हैं, जिन पर दो बार महाभियोग चल चुका है। पहली बार 2019 में यूक्रेन मामले में और दूसरी बार 2021 में कैपिटल हिल हिंसा के मामले में। दोनों बार वे सीनेट में बच गए थे, पर अब स्थिति अलग है। अब डेमोक्रेट्स के पास प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल करने का मौका है।2026 के मध्यावधि चुनाव में अगर डेमोक्रेट्स ने हाउस पर कब्जा कर लिया, तो ट्रंप पर तीसरी बार महाभियोग चलना लगभग तय माना जा रहा है। आरोपों की सूची लंबी है - टैरिफ के नाम पर कांग्रेस की अनुमति के बिना आर्थिक आपातकाल लगाना, न्याय विभाग का राजनीतिक इस्तेमाल, विदेशी सरकारों पर दबाव बनाना, और अपने व्यापारिक हितों के लिए पद का दुरुपयोग करना। दूसरी आफत पार्टी के अंदर है। रिपब्लिकन पार्टी अब दो धड़ों में बंट गई है। एक धड़ा है ट्रंप के कट्टर समर्थक, जिन्हें 'मागा' कहा जाता है। दूसरा धड़ा है पारंपरिक रिपब्लिकन, जो अब ट्रंप की शैली से थक चुके हैं। कई रिपब्लिकन सांसद खुलेआम कह रहे हैं कि ट्रंप की वजह से पार्टी चुनाव हार रही है। वे ट्रंप से दूरी बना रहे हैं। कुछ ने तो यह भी कहना शुरू कर दिया है कि ट्रंप को अब राष्ट्रपति पद से हटकर पार्टी को नए नेतृत्व को सौंप देना चाहिए। यह फूट ट्रंप के लिए सबसे खतरनाक है। जब अपना घर ही टूटने लगे, तो बाहर की लड़ाई कैसे लड़ी जाएगी? ट्रंप इस फूट को रोकने के लिए अपने विरोधियों को धमका रहे हैं, उन्हें पार्टी से निकालने की धमकी दे रहे हैं, पर इससे फूट और बढ़ रही है। अस्तित्व की रक्षा में क्या अमेरिका भारत से व्यापार समझौता कर सकता है? इसी अस्तित्व रक्षा के संकट में ट्रंप को भारत याद आ रहा है। राजनीति का एक पुराना नियम है जब घर में संकट हो, तो बाहर एक बड़ी जीत दिखाओ। ट्रंप भी यही करना चाहते हैं। अस्तित्व की रक्षा में ट्रंप भारत से व्यापार समझौते को प्राथमिकता देना आरंभ कर चुके हैं। पहले वे भारत पर दबाव बना रहे थे। 50% टैरिफ की धमकी दे रहे थे। पर अब वे नरम पड़ रहे हैं। क्यों? क्योंकि उन्हें एक बड़ी कूटनीतिक जीत चाहिए, जिसे वे अमेरिकी जनता और अपनी पार्टी के बागियों को दिखा सकें। भारत के साथ एक सार्थक व्यापार समझौता अब पहले से कहीं ज्यादा संभव दिख रहा है। दोनों देशों के बीच बातचीत के कई दौर हो चुके हैं। भारत ने अमेरिका को कई क्षेत्रों में रियायत देने का संकेत दिया है, तो अमेरिका ने भी टैरिफ घटाने की बात कही है। अगर यह समझौता हो जाता है, तो ट्रंप कह सकेंगे - देखो, मैंने दुनिया के सबसे बड़े बाजार को अमेरिका के लिए खोल दिया। इससे अमेरिकी किसानों, टेक कंपनियों और निर्माताओं को फायदा होगा। यह समझौता ट्रंप के लिए सिर्फ व्यापार नहीं, यह उनकी राजनीतिक संजीवनी है। वे इसे महाभियोग के खतरे से बचने के लिए एक ढाल की तरह इस्तेमाल करना चाहते हैं। क्या एच-1बी में भारत को और लाभ मिल सकता है? इस समझौते का सबसे बड़ा लाभ भारतीय पेशेवरों को मिल सकता है। एच-1बी वीजा का मुद्दा भारतीयों के लिए हमेशा से भावनात्मक रहा है। पिछले वर्षों में ट्रंप ने एच-1बी को सख्त किया था। फीस बढ़ा दी, नियम कड़े कर दिए। लेकिन अब अमेरिकी टेक कंपनियां ट्रंप पर दबाव डाल रही हैं। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन - सब कह रहे हैं कि हमें भारतीय टैलेंट चाहिए। एआई की दौड़ में अमेरिका चीन से पीछे नहीं रहना चाहता, और इसके लिए उसे भारतीय इंजीनियर चाहिए। ऐसे में माना जा रहा है कि व्यापार समझौते के साथ एच-1बी में भारत को और लाभ मिल सकता है। वीजा कोटा बढ़ सकता है, फीस में राहत मिल सकती है, ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया आसान हो सकती है। इससे भारतीय पेशेवरों को कुछ हद तक राहत मिलेगी। यह राहत पूरी नहीं होगी, पर कम से कम एक स्थिरता आएगी, जो पिछले कुछ वर्षों में गायब हो गई थी। क्या अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर महाभियोग चलेगी? कानूनी रूप से यह संभव है, पर राजनीतिक रूप से कठिन है। निष्कर्ष: में एस कहा जा सकता है कि भारत की भूमिका निर्णायक है। जग जीत की चाह रखने वाले ट्रंप आज अपने ही घर में घिरे हैं। उनकी कुर्सी पर संकट है, पार्टी में फूट है, जनता में नाराजगी है। ऐसे में भारत उनके लिए एक अवसर भी है और एक परीक्षा भी।भारत को इस मौके का लाभ उठाना चाहिए, पर सावधानी के साथ। भारत को व्यापार समझौता करना चाहिए, पर अपने किसानों की कीमत पर नहीं। भारत को एच-1बी में लाभ लेना चाहिए, पर अपनी संप्रभुता से समझौता किए बिना। ट्रंप का भविष्य अब काफी हद तक भारत से जुड़ गया है। अगर भारत से डील हो गई, तो ट्रंप को महाभियोग से बचने का एक मजबूत हथियार मिल जाएगा। अगर डील टूट गई, तो ट्रंप की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी।हालिया संकेत बताते हैं कि जब भी अमेरिकी राष्ट्रपति घर में कमजोर हुआ है, उसने विदेश में जीत तलाशी है। ट्रंप भी वही कर रहे हैं। अब देखना है कि क्या भारत ट्रंप की नैया का पतवार बनेगा, या फिर ट्रंप का महाभियोग का सामना करना पड़ेगा?

जवाबदेही

प्रो. वंदना अरोड़ा



विरोध का अधिकार, लेकिन संवैधानिक मर्यादा के साथ लो

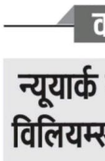
कतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि इसमें नागरिकों को सरकार से सवाल पूछने, नीतियों की आलोचना करने और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का अधिकार है। विरोध लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। हालांकि, उतना ही महत्वपूर्ण यह समझना भी है कि विरोध का तरीका क्या हो और उसका उद्देश्य क्या होना चाहिए। किसी व्यवस्था में भ्रष्टाचार, अनियमितता या प्रशासनिक लापरवाही सामने आने पर आवाज उठाना आवश्यक है, लेकिन क्या हर समस्या का समाधान सड़कों पर आंदोलन, राजनीतिक दबाव और किसी मंत्री के इस्तीफे की मांग तक ही सीमित होना चाहिए? क्या कानून और संविधान के दायरे में रहकर उठाई गई आवाज अधिक प्रभावी और स्थायी बदलाव का माध्यम नहीं बन सकती? आज आवश्यकता इस बात की है कि विरोध की संस्कृति को केवल भीड़, नारों और राजनीतिक टकराव तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उसे तथ्यों, कानूनी अधिकारों और संवैधानिक प्रक्रियाओं से जोड़ा जाए। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने का अधिकार प्रदान करता है। इसका अर्थ है कि नागरिक सरकार की नीतियों की आलोचना कर सकते हैं, जनप्रतिनिधियों से जवाब मांग सकते हैं और प्रशासनिक निर्णयों के प्रति असहमति व्यक्त कर सकते हैं। हालांकि, ये अधिकार उचित कानूनी प्रतिबंधों और सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित संवैधानिक सीमाओं के अधीन हैं। किसी व्यवस्था की गलती का विरोध करते समय कानून को कमजोर करना नहीं, बल्कि कानून का सहारा लेकर उस गलती को उजागर करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, यदि शिक्षा व्यवस्था में अनियमितता हुई है, परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी सामने आई है या किसी विभाग में भ्रष्टाचार के प्रमाण मिलते हैं, तो सबसे पहले तथ्यों और साक्ष्यों को व्यवस्थित रूप से सामने लाया जाना चाहिए। संबंधित विभाग में शिकायत, सूचना का अधिकार (आरटीआई), सतर्कता विभाग, सक्षम जांच एजेंसी और आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। यदि इन प्रक्रियाओं के बावजूद कार्रवाई नहीं होती, तो शांतिपूर्ण धरना, प्रदर्शन और जनजागरण भी लोकतांत्रिक विरोध के वैध माध्यम हैं। महत्वपूर्ण यह है कि जनआवाज के साथ कानूनी प्रक्रिया भी आगे बढ़े, ताकि विरोध केवल नारों तक सीमित न रहकर जवाबदेही और परिणाम तक पहुंचे। किसी मंत्री के इस्तीफे की मांग करना अपने आप में गलत नहीं है। यदि किसी गंभीर प्रशासनिक विफलता के लिए संबंधित मंत्री की जिम्मेदारी बनती है, तो राजनीतिक और नैतिक जवाबदेही तय करने की मांग पूरी तरह लोकतांत्रिक है। लेकिन यह प्रश्न विचारणीय है कि क्या केवल इस्तीफे से समस्या का स्थायी समाधान हो जाता है? यदि शिक्षा विभाग में अनियमितताएं हैं, तो केवल मंत्री बदलने से क्या पूरी व्यवस्था सुधर जाएंगी? यदि परीक्षा प्रणाली में खामियां हैं, तो क्या नए मंत्री के आने से भविष्य में ऐसी गड़बड़ियां रुकने की गारंटी मिल जाएगी? वास्तविक बदलाव के लिए जरूरी है कि आरोपों की निष्पक्ष जांच हो, दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए और व्यवस्था में मौजूद खामियों को दूर किया जाए। अन्यथा एक व्यक्ति पद छोड़ देगा और दूसरा पद संभाल लेगा, लेकिन मूल समस्या जस की तस बनी रह सकती है। इसलिए किसी भी विरोध का उद्देश्य केवल इस्तीफा हासिल करना नहीं, बल्कि जवाबदेही सुनिश्चित करना और व्यवस्था में ठोस सुधार लाना होना चाहिए। जेन जेड यानी नई पीढ़ी में अपने अधिकारों के प्रति बढ़ती जागरूकता और सवाल पूछने का साहस लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है। युवाओं की सबसे बड़ी ताकत केवल उनकी संख्या नहीं, बल्कि उनकी जानकारी, तार्किक सोच, तथ्यों की समझ और संगठित नागरिक भागीदारी है। यदि युवा किसी सरकारी नीति या निर्णय से असहमत हैं, तो वे तथ्यों के आधार पर अपनी बात रख सकते हैं, संबंधित अधिकारियों से जवाब मांग सकते हैं, जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दे सकते हैं और उपलब्ध कानूनी उपायों का सहारा ले सकते हैं। आवश्यकता पड़ने पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी किया जा सकता है। आखिरकार, लोकतंत्र की मजबूती इस बात से तय नहीं होती कि कितनी बार सड़कें जाम हुईं या कितने नारे लगाए गए। उसकी वास्तविक मजबूती इस बात में है कि नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों, सरकार जवाबदेह हो, कानून निष्पक्ष रूप से लागू हो और संस्थाएं गलतियों को सुधारने के लिए प्रभावी ढंग से काम करें। विरोध हमारा अधिकार है, लेकिन संवैधानिक मर्यादा जिम्मेदारी। बदलाव की मांग करें, लेकिन तथ्यों के साथ, तर्क के साथ और कानून के दायरे में रहकर।

(लेखिका पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में लॉ डिपार्टमेंट की चेयरपर्सन हैं हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ज्ञान, भक्ति व कर्म की पूर्णता श्रीराम



उपदेश जब ग्रंथ से दिया जाएगा तो लिखने के काम आएगा, जब पढ़कर दिया जाएगा तो सुनने के काम आएगा। उपदेश जब जीवन में चरितार्थ हो जाएगा, तब स्वाभाविक रूप से ग्राह्य और अनुकरणीय हो जाएगा। श्रीरामचरितमानस में लीला और चरित्र दोनों चरितार्थ हैं, जिसमें उपदेश दिया नहीं गया, चरितार्थ करके दिखाया गया है। चरितार्थ भी

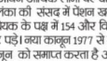


संकलित

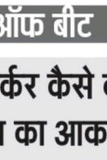
दर्शन

एस हुआ ह कि जिसम चमत्कार और अप्रासांगकता नहा ह। भगवान राम न अपना कोई मूल्यांकन नहीं किया, पर कूपर के हर कार्य की प्रशंसा की, उन्हें उत्साहित किया। ज्ञान की समझ, भक्ति-भावना और कर्म की शैली में यदि व्यावहारिकता नहीं है, तब साधक के जीवन में ज्ञान, भक्ति और कर्म की त्रिपुटी केवल प्रदर्शन योग्य ही रह जाएगी। उसका शुद्ध प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा। इस सर्वांगीण पूर्णता के साथ पृथ्वी पर मात्र भगवान राम ही अवतरित हुए, जिनका मानवोचित गुणों का निर्वाहन करते हुए भी स्वयं का रूप, चित्, और आनंद स्वरूप अपने शुद्ध स्वरूप में बना रहा। ज्ञान की व्यावहारिकता है कि किसी से कुछ इच्छा न रखें और सब में एक ही ब्रह्म का साक्षात्कार करें। भक्ति की व्यावहारिकता है कि संसार के सारे संबंधों का आधार भगवान को मानें। सहज संतोषी स्वभाव हो। मन में कुटिलता न हो। कर्म की व्यावहारिकता यह है कि व्यक्ति स्वयं को सेवक मानें। संसार के लोगों के श्रम और सत्कर्मों की प्रशंसा अवश्य करें। भगवान श्रीराम ने स्वयं में कोई गुण नहीं देखा, अपितु कूपर के अवगुणों में भी गुण पक्ष को ग्रहण कर उसका उपयोग लोकहित में किया। यही ज्ञान, भक्ति और कर्म की पूर्णता है।

मानव धर्म ही सर्वोपरि



एक विदेशी को अपराधी समझ जब राजा ने फांसी का हुक्म सुनाया तो उसने अपशब्द कहते हुए राजा के विनाश की कामना की। राजा ने उसके मंत्री से, जो कई भाषाओं का जानकार था, पूछा- यह क्या कह रहा है? मंत्री ने विदेशी की गालियां सुना ली थीं, किंतु उसने कहा: महाराज! यह आपको दुआएं देते हुए कह रहा है- आप हजार साल तक



संकलित

प्रेरणा

जिएं! राजा यह सुनकर बहुत खुश हुआ, लेकिन एक अन्य मंत्री ने जो पहले मंत्री से ईर्ष्या रखता था, आपत्ति उठाई महाराज! यह आपको दुआ नहीं गालियां दे रहा है। वह दूसरा मंत्री भी बहुभाषी था। उसने पहले मंत्री की निंदा करते हुए कहा: ये मंत्री जिन्हें आप अपना विश्वासपात्र समझते हैं, असत्य बोल रहे हैं। राजा ने पहले मंत्री से बात कर सत्यता जाननी चाही, तो वह बोला: हां महाराज! यह सत्य है कि इस अपराधी ने आपको गालियां दीं और मैंने आपसे असत्य कहा। पहले मंत्री की बात सुनकर राजा ने कहा: तुमने इसे बचाने की भावना से अपने राजा से छल किया। मानव धर्म को सर्वोपरि मानकर तुमने राजधर्म को पीछे रखा। मैं तुमसे बेहद खुश हुआ। फिर राजा ने विदेशी और दूसरे मंत्री की ओर देखकर कहा: मैं तुम्हें मुक्त करता हूं। निर्दोष होने के कारण ही तुम्हें इतना क्रोध आया कि तुमने राजा को गाली दी और मंत्री महोदय तुमने सच इसलिए कहा: क्योंकि तुम पहले मंत्री से ईर्ष्या रखते हो। ऐसे लोग मेरे राज्य में रहने योग्य नहीं। तुम इस राज्य से चले जाओ। वस्तुतः दूसरों की निंदा करने की प्रवृत्ति से अन्य की हानि होने के साथ-साथ स्वयं को भी नुकसान ही होता है।

अंतर्मन

आज की पाती

सांसदों की पेंशन खत्म हो

श्रीलंका ने 17 फरवरी, 2026 को सांसदों की पेंशन समाप्त कर एक ऐसा फैसला लिया जिसने भारत में भी राजनीतिक पंडों से जुड़े आजीवन आर्थिक लाभों पर खतरा छेड़ दी है। श्रीलंका की संसद में पेंशन खत्म करने वाले विधेयक के पक्ष में 154 और विरोध में केवल दो वोट पड़े। नया कानून 1977 से लागू सांसद पेंशन कानून को समाप्त करता है और इसका असर उन पूर्व सांसदों पर भी पड़ेगा जो पहले से पेंशन प्राप्त कर रहे थे। श्रीलंका के इस फैसले के बाद भारत में उद्योगपति हर्ष गोयनका ने एक्स पर सवाल उठाया कि क्या भारत में भी राजनीतिक विशेषाधिकारों पर पुनर्विचार का समय आ गया है। उनका तर्क है कि सार्वजनिक पद जिम्मेदारी है, आजीवन अधिकार नहीं।

- मंयक कौशिक, रोहतक

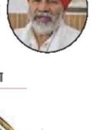
ट्रेंड

डेडलाइन जरूरी



मृत्यु हो या बाढ़, जब लोग जान बचाकर भाग रहे होते हैं, तब रिपोर्टर आपनी जान जोखिम में डालकर खबर की कवरेज करते हैं। न्यूज की दुनिया में डेडलाइन सबसे जरूरी होती है। उसी तरह जिंदगी में भी डेडलाइन जरूरी होती है। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

हमेशा तैयार रहें रक्षा बल



हमारे रक्षा बलों को ऐसी सलाह और तरीके विकसित करने चाहिए, जिससे दुश्मन को प्रतिक्रिया देने या संभलने का समय न मिले। साथ ही, हमें दुश्मन की किसी भी आक्रामक कार्रवाई के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। -राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

अखिलेश पूर्व सीएम ही रहेंगे



अखिलेश यादव यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री है और इंशाल्लाह पूर्व ही रहेंगे। गोली लगने का दर्द आज भी पंटोलेश्वर आजाद की कब्र में रहता है। यहां के महलों में रहने वाले को पत्थर नहीं फेंकने चाहिए। वे नहीं समझ सकते कि पंटोलेश्वर का पत्थर बिन लुटियरो से गुजरा है, क्योंकि वे विरासत की राजनीति करते हैं। -असदुद्दीन ओवैसी, एआईएआईएम प्रमुख

धर्म के नाम पर वोट न दें

मैं चुनावी राजनीति से दूर रहता हूं, लेकिन सरकार को सिर्फ वोटों से डर लगता है। अगर आप सरकार के काम में खुश है, तो उसे वोट दें; वरना किसी दूसरी पार्टी को वोट दें। जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्रवाद के आधार पर वोट न दें। लेकिन वोट देते समय किसानों हितों के बारे में जरूरी सोचें।

-राकेश टिकैत, किसान नेता

करंट अफेयर

न्यूयार्क की परेड में सुनीता विलियम्स बनीं 'ग्रैंड मार्शल'

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता 'सुनी' विलियम्स ने न्यूयॉर्क सिटी में 107वें पूर्व सैनिक दिवस की परेड में 'ग्रैंड मार्शल' की भूमिका निभाई। अमेरिकी नौसेना की पूर्व सैनिक (वेटरन) विलियम्स के साथ इस वार्षिक परेड में हजारों अमेरिकी पूर्व सैनिक, वर्तमान सैन्य कर्मी, मार्चिंग बैंड, देशभक्त संगठन, सैन्य वाहन और अन्य प्रतिभागी शामिल हुए। यह परेड उन लोगों के सम्मान में आयोजित की जाती है, जिन्होंने वर्षों तक देश की सेवा की है। इस अवसर पर उपस्थित न्यूयॉर्क के भारतीय मूल के मेयर जोहरान ममदानी सहित अन्य लोगों को संबोधित करते हुए विलियम्स ने कहा कि 107वें पूर्व सैनिक दिवस की परेड में शामिल होना उनके लिए ''बेहद सम्मान की बात'' है। उन्होंने कहा, ''जब मैं सेना में शामिल हुई थी तो मैंने एक पल के लिए भी नहीं सोचा था कि मैं कभी पूर्व सैनिक बनूंगी... इस समय आप युवा होते हैं और सोचते हैं कि अपना जीवन कैसे बिताएंगे।



ऑफ बीट

बायोमार्कर कैसे करते हैं सेहत का आकलन

मान लीजिए कि पांच सदस्यों वाला एक परिवार फ्लू के वायरस के संपर्क में आता है, लेकिन उनमें से केवल दो बीमार पड़ते हैं। एक व्यक्ति जीवनभर धूम्रपान करता है और 100 साल तक जीवित रहता है, जबकि अपने करियर के चरम पर पहुंचा एक पेशेवर खिलाड़ी अचानक दिल का दौरा पड़ने से मर जाता है। इसी तरह, कोई दवा कुछ मरीजों पर अच्छा असर दिखाती है, लेकिन कुछ मरीजों में गंभीर दुष्प्रभाव होने के कारण नैदानिक परीक्षण में विफल हो जाती है। क्या इनमें से किसी भी घटना का पहले से अनुमान लगाया जा सकता था? इसका सीधा जवाब है- अभी तक तो नहीं। हालांकि 'बायोमार्कर' की मदद से भविष्य में ऐसा संभव हो सकता है। बायोमार्कर शरीर में मौजूद ऐसी कोई भी चीज है, जिसे मापा जा सकता है और जिससे डॉक्टरों को किसी व्यक्ति की मौजूदा या भविष्य की सेहत के बारे में जानकारी मिलती है। बायोमार्कर कई तरह के होते हैं और आधुनिक चिकित्सा में इनकी अहम भूमिका है। इनसे यह समझने में मदद मिलती है कि मानव शरीर के अंदर क्या हो रहा है।



सूर्य उपासना और संतान के कल्याण से जुड़े महापर्व की शुरुआत

नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ छठ व्रत....4 दिन तक चलने वाले इस पर्व का खरना संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य की परंपरा के साथ किया जाएगा समापन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ पटना

शुक्रवार से छठ पर्व की शुरुआत हो गई है। इसका धार्मिक महत्व सूर्य उपासना और संतान के कल्याण से जुड़ा है। कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को इस पर्व का मुख्य अनुष्ठान किया जाता है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश से जुड़ी यह परंपरा अब देश के दूसरे हिस्सों तक पहुंच चुकी है। 4 दिन तक चलने वाले इस पर्व में नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य की परंपरा निभाई जाती है। मान्यता है कि सूर्य -छठी मैया की आराधना से संतान को आरोग्य, लंबी उम्र और जीवन में सफलता का आशीर्वाद मिलता है।

सात्विक भोजन की परंपरा

व्रत रखने वाली महिलाएं सुबह स्नान करने के बाद घर की साफ-सफाई करती हैं और सात्विक भोजन पकाया जाता है। इस दिन महिलाएं भोजन में मुख्य रूप से चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी बनाती है।



पटना में सूर्यदेव की आराधना करतीं व्रती महिलाएं

छठ पूजा का महत्व

कार्तिक महीने में सूर्य की विशेष पूजा करने से आरोग्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस दिन व्रती भोजन करने के बाद छठ पूजा के कठिन नियमों का पालन करते हैं।नहाय-खाय के अगले दिन खरना होता है, पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण किया जाता है। इसके बाद लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है।

यमुना नदी में मछलियां मरने से हड़कंप

आप ने किया बवाल तो भाजपा ने पलटवार

दिल्ली में यमुना के पानी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने से हड़कंप मच गया है। आप का दावा है पानी को साफ दिखाने के लिए उसमें केमिकल डाले गए हैं।सौरभ भारद्वाज ने सरकार से सीसीटीवी फुटेज जारी करने की मांग की है।दिल्ली सरकार में जल मंत्री और भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

5,000 पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

दिल्ली में छठ पर्व के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाएगी और इसके लिए 5,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। यमुना घाटों, तालाबों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी।

मुंबई में राज ठाकरे ने गानों पर उठाए सवाल

मुंबई। छठ पूजा और रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाने के विवाद को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। राज ने आरोप लगाया भाजपा पूजा के नाम पर मराठी और उत्तर भारतीयों के बीच टकराव और तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। ऐसी रील्स फैलाई जा रही हैं, जिनमें पूजा-पाठ को घुसपैठ को दिखाया जा रहा है।



खबर संक्षेप

जाजपुर में बस-ट्रक की टक्कर,40 पर्यटक जख्मी

जाजपुर। ओडिशा के जाजपुर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 16 पर शुक्रवार को एक खड़े ट्रक से एक बस के टकराने से पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के करीब 40 पर्यटक घायल हो गए, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा प्रातः करीब छह बजे बड़चना ओवरब्रिज के पास हुआ।



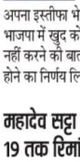
रामपुर के पूर्व मंत्री का भाजपा से इस्तीफा

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। पूर्व मंत्री एवं रामपुर के पूर्व विधायक सिंघी राम ने भाजपा को अलविदा कह दिया है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल को अपना इस्तीफा भेज दिया है। भाजपा में खुद को सहज महसूस नहीं करने की बात कहते हुए अलग होने का निर्णय लिया है।



महादेव सट्टा एपः चंद्राकर 19 तक रिमांड पर

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को पीएमएलए स्पेशल कोर्ट ने 19 नवंबर तक ईडी की रिमांड पर सौंप दिया है।



प्रधानमंत्री ने कर्नाटक को दी 15,000 करोड़ के प्रोजेक्ट की सौगात

मध्यम वर्ग को आर्थिक प्रगति में भागीदार बनाया जा रहा, अब ये बिजली उत्पादक बन रहे

परियोजनाएं विकास यात्रा को नई गति देंगी और विकसित भारत के निर्माण में योगदान



एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु में कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी 15,000 करोड़ रुपएसे अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं कर्नाटक की विकास यात्रा को नई गति देंगी और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यपाल सुधा यादव का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके पति ने कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया था। उसके बाद भी उन्होंने मां भारती की सेवा का प्रण निभाया और संसद से लेकर अब कर्नाटक में सेवाभाव से काम कर रही हैं।

ये परियोजनाएं कर्नाटक के बुनियादी ढांचे में नई जान फूंक देंगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कर्नाटक की विकास यात्रा को एक नई गति देने वाला है। मेट्रो और रेलवे से जुड़ी पहलों से लेकर ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित कार्यों तक, ये सभी परियोजनाएं कर्नाटक के बुनियादी ढांचे में नई जान फूंक देंगी।



लोगों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री मोदी

मध्यम वर्ग को किया जा रहा मजबूत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि बंगलूरू की बड़ी नव-मध्यम वर्गीय आबादी के हित भी केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सरकार मध्यम वर्गीय परिवारों की बचत बढ़ाने और उनके हाथों में अधिक पैसा पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है।

शहर की तारीफ भी की

उन्होंने कहा कि बेंगलूरू भारत की 'सिलिकॉन वैली' है। देश की आईटी निर्यात में इसका योगदान एक-तिहाई से भी अधिक है। यह शहर भारत में नवाचार और आर्थिक विकास का एक प्रमुख इंजन है।मैं इसकी सराहना करता हूं।

भारत की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता अब 300 गीगावाट

पीएम मोदी ने कहा कि भारत की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता अब 300 गीगावाट को पार कर गई है। नागरिक अब सिर्फ बिजली के उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक भी बन रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि मध्यम वर्ग की बचत बढ़े, क्रय क्षमता मजबूत हो और वे अपने परिवार के सपनों के साथ देश की आर्थिक प्रगति में भी भागीदार बनें।उन्होंने सभी को नई परियोजनाओं की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये विकसित भारत के निर्माण को नई गति देंगी।

प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में लिया हिस्सा

योग भारत को जानने का प्रवेश द्वार, सेवा के लिए सराहना की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने 'प्रशांत कुटीरम' के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की धरती सदियों से योग का केंद्र रही है। योग से जुड़े कितने ही आचार्यों और विद्वानों ने यहां जन्म लिया है और योग की परंपरा को समृद्ध भी किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे योग की असाधारण ऊर्जा का अनुभव करने का अवसर मिला है। कर्नाटक सदियों से योग का केंद्र रहा है। यहां कई जाने-माने योग गुरुओं और विद्वानों का जन्म हुआ, जिन्होंने इस प्राचीन परंपरा को समृद्ध किया। प्रशांति कुटीरम में जो शुरुआत हुई थी, वह अब योग शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान बन गई है। योग के साथ-साथ, आपने आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को मिलाकर एक समग्र वेलनेस इकोसिस्टम भी विकसित किया है। तनाव से जुड़ी चुनौतियों और जीवनशैली से होने वाली बीमारियों जैसे क्षेत्रों में किए गए शोध ने दुनिया भर के लोगों की मदद की है। मैं इन उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रशांति कुटीरम की सराहना करता हूं।



भारत समिट पर थरूर ने उठाए सवाल

अंतिम समय पर 115 मेहमानों की एंट्री रद्द करना शर्म की बात

यह एक फैसला, जिसे बदला नहीं जा सकता

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में हुई भारत समिट को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस द्वारा आरोप लगाया जा रहा है कि इस सम्मलेन में आने वाले करीब 115 वक्ताओं को विदेश मंत्रालय की मंजूरी के बाद रोक दिया है। केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इसे देश के लिए शर्म की बात करार दिया। उन्होंने इस विदेशी मेहमानों को रोकने के इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह एक फैसला है, जिसे बदला नहीं जा सकता है। क्योंकि अब यह सम्मेलन हो चुका है। थरूर ने इस कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों की एंट्री पर रोक लगाने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा, भारत समिट के घटनाक्रम से जुड़ी एक निराशाजनक बात सामने आई है। जब मैं हैदराबाद पहुंचा, तो मुझे पता चला कि विदेश मंत्रालय ने जिन 315 वक्ताओं को विदेश मंत्रालय ने मंजूरी दी थी, उनमें से 115 को भारत में प्रवेश करने पर रोक दिया गया या उनके वीजा रद्द कर दिए गए।



गौरवशाली लोकतंत्र इतना असुरक्षित हो गया

थरूर ने जोर देकर पूछा कि आखिर गृह मंत्रालय ने किस नियम के आधार पर इन विदेशी नागरिकों की एंट्री को रोका है? उन्होंने लिखा, ऐसा लगता है कि यह सब गृह मंत्रालय के निर्देशों पर हुआ है। यह बिल्कुल साफ नहीं है कि आखिर गृह मंत्रालय ने किन नियमों के आधार पर इतना कठोर कदम उठाया है। लेकिन अब इसे पलटना नामुमकिन है क्योंकि यह सम्मेलन हो चुका है। कांग्रेस सांसद थरूर ने जोर देकर कहा कहा कि यह कितने शर्म की बात है कि एक गौरवशाली लोकतंत्र इतना असुरक्षित हो गया है कि उसे उन आवाजों को दबाना पड़ रहा है, जिनसे उसे आलोचना का डर है।

यह फैसला गलत रहा

70 से देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

हैदराबाद में आयोजित इस कार्यक्रम में 70 से देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेने वाले हैं। 13 और 14 नवंबर को होने वाले इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई बड़े नेता शामिल होंगे। इसके अलावा इसमें करीब 315 विदेशी मेहमान भी शामिल होने थे, लेकिन अंतिम समय पर 113 की भारत में एंट्री रद्द कर दी गई। जिन लोगों की भारत में एंट्री को रोका गया है उनमें पीएम मोदी से चिल्लाकर सवाल पूछने वाली नार्वेजियन पत्रकार हेले लिंग भी शामिल थीं।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क०/अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक श्रीमती सुमन बेन पटेल पति अशोक भाई पटेल जाति कुर्मी उम्र 65 वर्ष निवासी नेहरू वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० की ओर से वास्ते मुख्तारआम सौरभ राय आ. अजय कुमार निवासी कैलाश मोड़ सत्तीपारा अम्बिकापुर द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर -02 मोहल्ला-सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 719/3 रकबा 0.01 एकड़ भूमि को अनावेदक/केता कलिन्द्रा पति अजय कुमार, निवासी मुसी बृज राजपुर मुसीलाटपुर भदोही संतरविदास नगर उ.प्र. के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती सुमन बेन पटेल आ०/पति अशोक भाई पटेल जाति निवासी नेहरू वार्ड सत्तीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 719/3 रकबा 0.01 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है।जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 06.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका मोनल अग्रवाल आ०/पति अमित कुमार गर्ग जाति निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/370 रकबा 3600 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है।जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-25.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांकः- 10.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क० /अ-20(3)/ 2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सौरभ गर्ग आ. शैलेष अग्रवाल जाति अग्रवाल उम्र 42 वर्ष निवासी एम०जी० रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 09 मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 3467/4866/73 रकबा 13727.10 वर्गफीट में से रकबा 1495 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/ क्रेता रिया गोयल पति शुभम गोयल, निवासी भैयाथान तहसील अम्बिकापुर, जिला सूरजपुर, छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20.11.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क० /20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सतीश कुमार अग्रवाल आ०/पति दबिल दास अग्रवाल जाति निवासी सेठ बसंतलाल मार्ग अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर 9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/113 रकबा 2100 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 25.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांकः- 10.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका संगीता देवी आ०/पति संजय कुमार गर्ग जाति निवासी अग्रसेन वार्ड, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला खरसिया रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2823/23,2824/15, 2825/5 रकबा 0.021/2, 0.08, 0.003/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 25.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांकः- 10.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका प्रीति अग्रवाल आ०/पति अतुल कुमार गर्ग जाति निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/369 रकबा 3600 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है।जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांकः- 10.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क०-/अ-6/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शैलेन्द्र कुमार गर्ग आ०स्व० आनंद प्रकाश गर्ग निवासी दत्ता कॉलोनी श्याम मंदिर के पास अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 243/115, 243/306 रकबा 0.019, 0.016 हे० भूमि राजस्व अभिलेखो से मृत खातेदार आनंद प्रकाश आ०श्यामसुन्दर का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांकः- 06/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

बाल दिवस पर 15 दिवसीय नशामुक्ति जागरूकता अभियान का मल्टीपरपज स्कूल से आगाज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशानुसार तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अंबिकापुर, जिला सरगुजा के मार्गदर्शन में बाल दिवस के अवसर पर ड्रग एवार्नेस एंड वेलनेस नेविगेशन योजना अंतर्गत 15 दिवसीय जनजागरूकता अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान 14 से 27 नवम्बर तक चलेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अंबिकापुर द्वारा आयोजित इस अभियान का शुभारंभ शनिवार को शासकीय मल्टीपरपज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नशा मुक्ति एवं विधिक जागरूकता शिविर के साथ किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य योजना के लाभों का प्रचार-प्रसार, नशे के दुष्परिणामों के प्रति विद्यार्थियों और आमजन को जागरूक करना तथा नशा पीड़ितों को उपचार, परामर्श और पुनर्वास सेवाओं से जोड़ना है। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा विभाग, अंबिकापुर एवं समाज कल्याण विभाग, अंबिकापुर के समन्वय से किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा भी नशा मुक्त भारत अभियान संचालित किया जा रहा है। दोनों अभियानों के उद्देश्यों में समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को नशे से बचाव और सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। शिविर में वक्ता के रूप में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंबिकापुर, समाज कल्याण अधिकारी, नवा बिहान की टीम से अजय तिवारी तथा शबरी सेवा संस्थान से अलेक्जेंडर ने सहभागिता की और विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर शिक्षा विभाग की सहायक संचालक पूनम पांडे, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य,



शिक्षकगण, पैरालीगल वॉलंटियर्स एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। शिविर में बताया गया कि ड्रग एवार्नेस एंड वेलनेस नेविगेशन योजना के तहत विभिन्न विभागों और संस्थाओं के समन्वय से जरूरतमंदों को परामर्श, उपचार, नशा मुक्ति केंद्रों और पुनर्वास सेवाओं से जोड़ा जाता है। नशा पीड़ित की उपेक्षा नहीं बल्कि उसे सहयोग और उपचार देना जरूरी है। विद्यार्थियों को मादक पदार्थों के शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक दुष्परिणामों तथा एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के बारे में बताया गया। उन्हें कहा गया कि यदि कोई नशे के लिए प्रेरित करे तो स्पष्ट मना करें और अभिभावकों, शिक्षकों या अधिकारियों को बताएं। नशा सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। शिविर का विशेष आकर्षण संवादात्मक सत्र रहा। बच्चों से पूछा गया कि वे क्या बनना चाहते हैं, तो उन्होंने डॉक्टर, इंजीनियर बनने की इच्छा जताई। लक्ष्य पाने के लिए क्या जरूरी है, इस पर एक छात्रा ने स्वास्थ्य बताया। इसी उत्तर को आधार बनाकर समझाया गया कि अच्छे स्वास्थ्य, एकाग्रता, स्मरण शक्ति और सकारात्मक सोच के बिना लक्ष्य पाना कठिन है और नशा इन्हीं को प्रभावित करता है। बच्चों ने स्वयं समझा कि नशा सपनों में बाधा है। अंत में सभी ने नशा मुक्ति की सामूहिक शपथ ली।

फीडबैक में छात्रों ने कही ये बात

फीडबैक में एक छात्र ने कहा कि कई लोग नशा छोड़ना चाहते हैं पर उन्हें मदद का पता नहीं होता, आज नशा मुक्ति केंद्रों की जानकारी मिली। एक छात्रा ने कहा कि वह मिली जानकारी पड़ोसियों और छोटे भाई-बहनों तक पहुंचाएगी, स्वयं कभी नशा नहीं करेगी और कोई बाध्य करेगा तो शिकायत करेगी, वह डॉक्टर बनना चाहती है और माता-पिता उसके लिए बहुत मेहनत करते हैं। एक अन्य छात्रा ने हेल्पलाइन जानकारी को उपयोगी बताया, वहीं एक अन्य छात्र ने कहा कि नशे से लक्ष्य नहीं मिलता इसलिए दूर रहेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 27 नवंबर तक स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता गतिविधियां जारी रहेंगी।

साइबर ठगी के लिए म्यूल अकाउंट देने के मामले में केस दर्ज

अंबिकापुर। साइबर ठगी करने वाले गिरोहों को अपना बैंक खाता किराए पर देने वाले म्यूल अकाउंट धारकों पर पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में सरगुजा साइबर सेल की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने वर्ष 2024 के प्रकरण में अंबिकापुर के एक युवक के विरुद्ध अपराध दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के समन्वय पोर्टल पर दो राज्यों से एक लाख से अधिक की ठगी संबंधी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसकी सूची पुलिस महानिरीक्षक एसआईबी, सीसीटीएनएस साइबर क्राइम, नवा रायपुर डॉ. ध्रुव गुप्ता के कार्यालय से पुलिस अधीक्षक सरगुजा को भेजी गई थी।

डेली नीड्स के संचालक ने सेल्समैन को पीटा, केस दर्ज

उदयपुर। बकाया पैसे के लेन-देन को लेकर रास्ता रोककर डेली नीड्स के संचालक द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस केस दर्ज करके मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिला के प्रेमनगर थाना अंतर्गत केदारपुर निवासी अनुराग सोनी पिता रितेश कुमार सोनी 20 वर्ष, पिछले 2 साल से मित्तल सेल्स कंपनी अंबिकापुर में सेल्समैन का काम करता है। 13 नवम्बर को दोपहर 01.30 बजे वह ओम डेली नीड्स उदयपुर में बकाया पैसा मांगने गया तो संचालक प्रिंस ने कुछदेर बाद आने के लिए कहा। एक घंटे बाद दोपहर 02.30 बजे दोबारा रुपये लेने गया तो प्रिंस ने रुपये नहीं होने की बात कही। जब अनुराग ने कंपनी के मालिक से बात करने के लिए कहा तो डेली नीड्स का संचालक भड़क गया और गाली-गलौज करते हुए उदयपुर से बाहर निकल कर दिखाओ, कहते हुए धमकाने लगा।

सूने मकान का ताला तोड़कर जेवरात सहित एक लाख का सामान चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा जिला के दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम सखौली में सूने मकान का ताला तोड़कर चोर ने पूरे घर को खंगाल डाला और जेवरात सहित एक लाख का सामान चोरी करके ले गए। जानकारी के मुताबिक, ग्राम सखौली निवासी रजमनिया पति रामदास घरेलू काम करके अपने 14 वर्षीय पुत्र आदित्य दास के साथ रहती हैं। 11 नवम्बर की शाम करीब 06.30 बजे वह घर के दरवाजे में बाहर से ताला बंद करके अपने भाई आनंद दास के घर खाना खाने गई थी और वहीं रात में सो गई थी। अगले दिन 12 नवम्बर को सुबह 07 बजे घर लौटी तो देखा दरवाजे का ताला कुंडी सहित टूटा हुआ था। अज्ञात चोर लोहे और लकड़ी की अलमारी और पेटी का ताला तोड़कर अंदर रखा सोने के जेवरों में मंगलसूत्र 10 ग्राम, कान की बाली 3 ग्राम, अंगूठी 1 नग 3 ग्राम, नाक का नथिया आधा ग्राम, चांदी की पायल 1 जोड़ी, अंगूठी, बिछिया, कांस की 4 थाली, 3 लोटा, 1 बटुआ, 2 कंबल, 1 जैकेट, 1 शॉल पार कर दिए थे। चोरी गए सामानों की कीमत करीब एक लाख रुपये है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

अदानी माइंस के गेट पर हंगामा, कर्मचारियों को धमकी देकर रोका

एचआर ने थाने में 22 लाख की क्षति पहुंचाने का मामला दर्ज कराया

उदयपुर। थाना क्षेत्र के परसा में स्थित अदानी माईंस में काम बाधित करने का मामला सामने आया है। कंपनी के एचआर हेड ने इसकी लिखित शिकायत थाने में दी है, जिसमें कंपनी को 22 लाख का नुकसान पहुंचाने का उल्लेख है। जानकारी के मुताबिक, कर्मजीत सिंह कंपनी में एचआर हेड उत्पल विश्वास पिता गोपाल विश्वास 25 वर्ष, निवासी ताहिरपुर नतुनपाड़ा, जिला नदिया, पश्चिम बंगाल ने पुलिस को बताया है कि बीते 07 नवम्बर को द्वितीय पाली में दोपहर 02 बजे से रात 10 बजे तक काम करने वाले कर्मचारी, कंपनी के कॉलोनी से वाहन में सवार होकर माईंस के अंदर ड्यूटी में जाने के लिए निकले थे।

सरहरी स्कूल में धूमधाम से मना जनजातीय गौरव दिवस और बाल दिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

प्रतापपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी में जनजातीय गौरव सप्ताह के तहत धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और बाल दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन और राज्य गीत के साथ हुआ। कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज वचुंअली मुख्य अतिथि के रूप में जुड़े, वहीं सरपंच मीनमती मंच पर मौजूद रहीं। अध्यक्षता जनपद सदस्य कुंती शिवपाल कुशवाहा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विजय नारायण कुशवाहा, प्रेमचंद



कुशवाहा, उपसरपंच उषा देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने किया।

महापुरुषों के आदर्शों पर चलने का दिया संदेश

अपने चर्चुअल उद्बोधन में सांसद चिंतामणि महाराज ने सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई देते हुए भगवान बिरसा मुंडा के साथ-साथ सरगुजा के जनजातीय गौरव माता राजमोहिनी देवी और संत गहिरा गुरु के जीवन पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। प्राचार्य दिलीप तिवारी ने भी संत-महापुरुषों की जीवनी को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी।

न्योता भोज और पुरस्कार वितरण

14 नवम्बर को बाल दिवस के अवसर पर प्राचार्य द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम शुरू किया गया। इस दौरान स्कूल परिवार द्वारा सभी बच्चों के लिए विशेष न्योता भोज का आयोजन किया गया, जिसका बच्चों ने लुत्फ उठाया। साथ ही जनजातीय गौरव सप्ताह के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में रंगोली, चित्रकला, भाषण, सांस्कृतिक नृत्य और क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

बाल दिवस पर कन्या स्कूल रामानुजनगर में रही धूम, स्टॉल, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गुलजार रहा परिसर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। बाल दिवस पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर, जिला सूरजपुर में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस के अवसर पर धूमधाम से स्कूल प्रांगण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्टॉल लगाकर छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का आनंद लिया। बच्चों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता रखी गई। जलेबी दौड़, फुग्गा फुलाना, फुग्गा फोड़ना सहित अन्य कई कार्यक्रमों के साथ इस पावन दिवस को हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य



मुरीतराम कोसरिया ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए अच्छी तरह से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। बाल दिवस के अवसर पर संस्था के कामता प्रसाद प्रजापति, रहमान खान, राकेश तिर्की, अभय कुमार साहू, विजेंद्र सिंह, रामबिलास साहू, जेपी पाल, हरेकृष्णा उपाध्याय, अशोक सिंह, खितंल ओझा, श्रीमती शोभा साहू, सुमित्रा सिंह, शहनाज बेगम, ममता मिश्रा, सीता राठवाड़े, अर्चना दुबे, नीलम कँवर, सुनीता सिंह, रेखा गुप्ता, उर्मिला मींज, अजीत केरकेट्टा, दलसाय सिंह, राजकेश्वर राजवाड़े साथ ही कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती शहनाज बेगम का विशेष योगदान रहा। समस्त बच्चों को मिष्ठान वितरित किया गया एवं प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस प्रकार समस्त स्टाफ एवं बच्चों की उपस्थिति में बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया।

कुत्ते के बच्चों को मारकर जलाया, सीसीटीव्ही में कम उम्र के बच्चों की करतूत कैद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर के पंजाब गार्डन के पीछे 6 कुत्ते के बच्चों को बेरहमी से मारकर जलाने और बोरी में भरकर फेंकने का मामला सामने आया है। घटना 13 नवंबर को शाम करीब 4.30 बजे की बताई जा रही है। मामले को लेकर बेजुबान डॉग शेल्टर के संस्थापक सुधांशु शर्मा ने गांधीनगर थाने में लिखित शिकायत देकर दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं सीसीटीव्ही खंगालने के बाद सामने आया है कि यह करतूत कम उम्र के बच्चों की है। शिकायत के अनुसार, अज्ञात लोगों ने 6 बेजुबान पिल्लों को बेरहमी से मारने के बाद बोरी में भरकर जला दिया। घटना से इलाके के पशु प्रेमियों में भारी आक्रोश है। शेल्टर संस्थापक सुधांशु शर्मा ने पुलिस के संज्ञान में इस मामले को लाया और घटना के जांच की मांग की है। उन्होंने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर दोषियों की पहचान करने और उनके खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करने की मांग की थी। उन्होंने कहा है कि बेजुबान जानवर भी दर्द महसूस करते हैं। उनके साथ ऐसी बर्बरता न सिर्फ अमानवीय है, बल्कि कानूनन अपराध भी है। इस पर कड़ी कार्रवाई जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। प्राप्त शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्कूलों में उत्साह और हर्षोल्लास से मनाया गया बाल दिवस, बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियाँ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। बाल दिवस के अवसर पर विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में उत्साह और हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कहीं न्योता भोज तो कहीं बाल मेला आयोजित कर बच्चों के लिए विशेष उत्सव का माहौल बनाया गया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। विकासखंड के माध्यमिक शाला सोनपुर, प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला बरबसपुर, प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला पतरापाली, प्राथमिक शाला पीपरपारा तथा माध्यमिक शाला कैलासपुर में न्योता भोज का आयोजन किया गया। वहीं प्राथमिक शाला पंचवटी,



माध्यमिक शाला पंपानगर एवं माध्यमिक शाला दवना में बाल मेला आयोजित कर बच्चों के लिए विशेष उत्सव का माहौल बनाया गया। बाल मेले में बच्चों को तरह-तरह के व्यंजन, भोजन के माध्यम से सीखने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, गीत, नृत्य एवं अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से बाल दिवस की खुशियाँ साझा कीं। इस अवसर पर बच्चों को कॉपी, पेन एवं मिष्ठान वितरित कर बाल दिवस की शुभकामनाएँ दी गईं। शिक्षकों द्वारा बच्चों को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस एवं उनके जीवन परिचय के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों के प्रति उनके विशेष स्नेह और बाल दिवस मनाए जाने के महत्व से परिचित कराया गया। विभिन्न विद्यालयों में आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों को आनंदमय वातावरण प्रदान करने के साथ उनकी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा। बाल दिवस के आयोजन ने विद्यालयों में उत्सव और उल्लास का वातावरण बना दिया।

छठ के रंग में रंगा सरगुजा, घाट बंधान के साथ शुरू हुई अर्घ्य की तैयारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। चार दिन तक चलने वाले सूर्य उपासना के महापर्व छठ का उल्लास सरगुजा में चरम पर है। नहाय-खाय के बाद शनिवार को खरना के साथ ही शहर के घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही व्रती महिलाएं टोकरी में नया सूप, नारियल, ठेकुआ और पूजन सामग्री लेकर घाटों की ओर निकल पड़ीं। शंकर घाट, खर्रा नदी घाट, श्री राम घाट, जेल तालाब, मरीन ड्राइव और पैलेस तालाब पर घाट बंधान की रस्म के लिए भीड़ लगी रही। महिलाओं ने अपनी जगह पर लिपाई कर, गन्ने के मंडप बनाकर पूजा स्थल को सजाया। शुक्रवार को नहाय-खाय से पर्व की



शुरूआत हुई। शनिवार को खरना में व्रतियों ने दिनभर उपवास के बाद शाम को मिट्टी के नए चूल्हे पर बनी गुड़-चावल की खीर का भोग सूर्यदेव और छठी मइया को लगाया और उसके बाद 36 घंटे के कठिन निर्जला व्रत का संकल्प लिया। इस पर्व में छठी मइया से संतान की लंबी उम्र, पति की सलामती और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। शनिवार को घाटों पर पूरे परिवार के साथ महिलाएं पूजा में जुटी रहीं। छठ गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने भी तैयारी तेज कर दी है। शनिवार से ही घाटों पर बैरिकेडिंग, लाइटिंग और पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। रविवार को यातायात और सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल लगाया जाएगा ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण तरीके से व्रत पूरा कर सकें।

परसा में आईपीएल के तर्ज पर परसा सुपर लीग सीजन 2.0 शुरू

14 टीमों के 196 खिलाड़ी दिखा रहे दम, ऑक्शन प्रक्रिया से हुआ टीम का चयन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर/उदयपुर। ग्रामीण प्रतिभाओं को बड़ा मंच देने के लिए ग्राम पंचायत परसा में परसा सुपर लीग (पीएसएल) सीजन 2.0 क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज हो गया है। शहीद वीर नारायण खेल मैदान, परसा में 4 नवंबर को टूर्नामेंट शुरू हुआ, जो 20 नवंबर तक चलेगा। आयोजन राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड एवं युवा क्रिकेट क्लब, ग्राम पंचायत परसा के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। पीएसएल की शुरूआत 2025 में हुई थी, तब पहले सीजन में 8 टीमों ने हिस्सा लिया था। इस बार उत्साह इतना है कि टीमों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। इस सीजन में 25 गांवों के कुल 196 खिलाड़ी मैदान में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं, जो ग्रामीण क्षेत्र में खेलों के प्रति बढ़ते क्रेज को दर्शाता है। इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी विशेषता इसका आईपीएल के तर्ज पर आयोजन है। खिलाड़ियों का चयन ऑक्शन प्रक्रिया के जरिए किया गया, जिसमें 14 टीम मालिकों ने बोली लगाकर खिलाड़ियों को चुना। इससे स्थानीय युवाओं को न सिर्फ अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला, बल्कि प्रोफेशनल क्रिकेट जैसा अनुभव भी मिल रहा है। ग्रामीण स्तर पर इस तरह का प्रयोग पहली बार देखने को मिला है।

लाइव स्कोरिंग के बीच 14 टीमें मैदान में

टूर्नामेंट में गोंडवाना स्ट्राइक फोर्स, ब्लैक डायमंड, सरपंच 11, चैंपियन 11, नायक वॉरियर्स, प्रेम नगर वॉरियर्स, प्रियांश 11 जोधपुर, माफिया 11 बिनकरा, विकेट वॉरियर्स, ब्लैक पैंथर्स, जीवी स्टार 11, योगी 11, बुल चैप्स सहित 14 टीमें भाग ले रही हैं। सभी मैचों की लाइव स्कोरिंग क्रिकहीरोज प्लेटफॉर्म पर की जा रही है।



ग्रामीण खेल संस्कृति को मिलेगा बढ़ावा

खिलाड़ियों के लिए जर्सी, अंपायरिंग, ट्रॉफी सहित पूरी व्यवस्था की गई है। विजेता और उपविजेता टीमों को शील्ड के साथ मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बैट्समैन और बेस्ट बॉलर जैसे व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए जाएंगे। आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन युवाओं में अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता विकसित कर रहा है और ग्रामीण खेल संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है।

उद्घाटन समारोह में जुटे सैकड़ों दर्शक

उद्घाटन समारोह में आरआरवीयूएनएल के क्लस्टर हेड माणिकचंद्र बाला, एचआर हेड पवन ओझा, पीईकेबी माइंस मैनेजर, ग्राम पंचायत परसा के सरपंच तुलसी मनोहर उईके, उपसरपंच उमाशंकर यादव, पूर्व उपसरपंच गणेश यादव सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। पहले मैच में करीब 500 खेल प्रेमी मैदान में मौजूद रहे।

शैक्षणिक संस्थानों में मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने भाषण, नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष, अदम्य साहस और जनजातीय समाज के उत्थान में उनके योगदान को याद किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मदनपुर, विकासखंड रामानुजनगर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने भाषण, नाटक की प्रस्तुतियां दीं।

इसी क्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बंजा, विकासखंड भैयाथान, शासकीय हाई स्कूल गंगापुर, शासकीय हाई स्कूल अखोराकला एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुर सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। ताकि विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के त्याग, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति योगदान से परिचित कराया जा सकें।

साथ ही जनजातीय समाज की गौरवशाली संस्कृति, परंपराओं एवं विरासत के संरक्षण और संवर्धन का भी संदेश दिया गया।

किसानों के हित में मुख्यमंत्री साय के निर्णय का भाजपा किसान मोर्चा ने किया स्वागत

अग्रसेन चौक पर आतिशबाजी के साथ मिठाई बांटकर मनाई खुशियां, जताया आभार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रदेश के समस्त किसानों के हित में की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं एवं निर्णयों के स्वागत में शुक्रवार की संध्या जिला मुख्यालय के हृदय स्थल अग्रसेन चौक पर भाजपा किसान मोर्चा द्वारा उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर रंग-बिरंगी आसमानी आतिशबाजी के बीच पटाखे फोड़कर खुशी जाहिर की गई तथा उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और मिठाइयां वितरित कर मुख्यमंत्री श्री साय एवं छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

यह आयोजन भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर, किसान मोर्चा जिला प्रभारी राजेश महलवाला एवं किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष कपिल पाण्डेय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के जिला एवं मंडल पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री की किसान हितैषी घोषणाओं का स्वागत किया और आतिशबाजी के साथ अपनी खुशी का इजहार किया।

कम उत्पादन वाले किसानों को भी मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा धान उत्पादक किसानों के हित में की गई घोषणा के अनुसार निर्धारित अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ की मात्रा से कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत प्रति एकड़ 13,839 रुपये की आदान सहायता का लाभ मिलेगा। इस निर्णय से



विशेषकर उन किसानों को राहत मिलेगी, जिनके खेतों में भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित सिंचाई सुविधाओं अथवा अन्य कारणों से धान का उत्पादन कम होता है।

गन्ना किसानों को बड़ी सौगात

राज्य सरकार ने गन्ना उत्पादक किसानों के हित में भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए गन्ना उपार्जन दर 355 रुपये से बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा की है। इससे गन्ना किसानों को प्रति क्विंटल 70 रुपये की अतिरिक्त राशि प्राप्त होगी। साथ ही पेराई सत्र 2025-26 में खरीदे गए गन्ने पर भी बढ़ी हुई दर का लाभ देने की घोषणा की गई है। भाजपा किसान मोर्चा ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है और यहां के किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था एवं ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं। किसानों की मेहनत का सम्मान करना, उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाना और खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में प्रयास करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस अवसर पर उपस्थित किसान मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा किसानों की वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिए गए निर्णयों से प्रदेश के लाखों किसान परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद है। किसान मोर्चा शासन की किसान हितैषी योजनाओं एवं निर्णयों की जानकारी गांव-गांव और खेत-खलिहान तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

अग्रसेन चौक पर आतिशबाजी, मिठाई वितरण और उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से भाजपा किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव एवं छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किसानों के हित में लिए गए निर्णयों के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान निवर्तमान भाजपा जिला महामंत्री एवं प्रभारी किसान मोर्चा राजेश महलवाला, भाजपा किसान मोर्चा जिला महामंत्री अजय अग्रवाल, अज्जू, डॉ एच एन चतुर्वेदी, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा, रणवीर सिंह, पार्षद श्यामू साहू, अजय सिंह, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्यारेलाल साहू, शिवशंकर साहू, भोला शंकर साहू, संस्कार अग्रवाल, भुनेश्वर साहू किशन देवांगन, राहुल साहू,,जनक साहू विक्की रवि, नीरज गुप्ता, राहुल कसेरा, सुमित साहू, सुशील खानदानी, जनक साहू, गुलाब साहू, संदीप जायसवाल, भोला विश्वकर्मा अंशु कसेरा सहित काफी संख्या में भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

हड़ताली पटवारियो पर प्रशासन सख्त,14 निलंबित, 28 पर ब्रेक इन सर्विस की कार्रवाई



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अपनी मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे पटवारियो के खिलाफ अब प्रशासन सख्त रुख अख्तियार कर रहा है। बताया गया है कि जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए पूर्व में जहां नौ पटवारियों को निलंबित किया गया था वहीं शनिवार को जारी सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार 14 अन्य पटवारियारियो पर निलंबन की गाज गिरी है। जबकि 28 पटवारियों पर ब्रेक इन सर्विस की कार्रवाई की गई है। जिले में पटवारी व्यवस्था के संबंध में भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार पटवारियों के 210 स्वीकृत पदों में से 191 पद भरे हुए हैं।

जिले में हड़ताल में जाने वाले पटवारी की संख्या 141 है। जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। बताया गया है कि कारण बताओ नोटिस जारी करने के उपरांत 6 पटवारियों ने ज्वाइनिंग किया। जबकि हड़ताल के दौरान 14 पटवारी को निलंबित किया गया। वर्तमान में 50 पटवारी हल्कों में अतिरिक्त प्रभार के माध्यम से राजस्व संबंधी कार्यों का संचालन किया जा रहा है। हड़ताल पर जाने के कारण 28 पटवारी का ब्रेक इन सर्विस किया गया। ज्ञात हो कि पटवारियों के द्वारा तीन सूत्रीय मांगों जिनमे वेतन विसंगति, पदोन्नति और पी व्ही ऐप के तकनीकी खामियों के सुधार की मांग को लेकर पिछले 13 अक्टूबर से हड़ताल पर चले गए है। 30 दिनों से पटवारियों की चल रही हड़ताल के कारण जिले का राजस्व सम्बन्धी कार्य प्रभावित हुआ है। हड़ताली पटवारियों को काम पर लौटने हेतु जारी किए गए नोटिस के बाद अब प्रशासन के द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

बाल दिवस पर जिले के 11 स्थानों में हुए विधिक जागरूकता कार्यक्रम

नालसा डॉन योजना अभियान का हुआ शुभारंभ, 27 तक चलेगा विशेष अभियान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को बाल दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं अन्य स्थानों पर विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नालसा की डॉन योजना, 2025 के अंतर्गत नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने तथा



किया गया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गिरवरगंज में समय पर परामर्श और उपचार प्राप्त करना आवश्यक है। उन्होंने नशे से दूर रहने तथा अपने माध्यम से मिलने वाली विधिक सहायता सेवाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराध एवं साइबर सुरक्षा के विषय पर भी जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताते हुए साइबर अपराध की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया समझाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य के.पी. कुजूर, शिक्षक सूर्यनारायण यादव, अश्वनी कुमार झा एवं अन्य शिक्षकगण तथा पैरालीगल वालंटियर उमेश कुमार राजवाड़े उपस्थित रहे।

इसी प्रकार जिले के अन्य विद्यालयों एवं निर्धारित स्थानों पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में पैरालीगल वालंटियर्स रोहित कुमार राजवाड़े, बृजवासी सिंह, राम प्रसाद, सद्दाम हुसैन, श्रीमती राजिया खान, अक्षयवर लाल गुप्ता, नितेश कुमार साहू, श्रीमती पुष्पा साहू, कृष्णकांत कुशवाहा एवं अमन आकाश केरकेट्टा द्वारा बाल दिवस एवं नालसा डॉन योजना के उद्देश्यों, नशे के दुष्प्रभावों तथा विधिक जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई।

संपूर्ण जागरूकता अभियान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण थॉमस एक्का के मार्गदर्शन एवं प्राधिकरण की सचिव सुश्री पायल टोपनो के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। ताकि अभियान के माध्यम से बच्चों एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करना, उन्हें सही मार्गदर्शन तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को विधिक सहायता, परामर्श, उपचार एवं पुनर्वास की सुविधा से जुड़कर लाभान्वित हो सके।

जिले के विद्यालयों में उत्साह से मना बाल दिवस, सजी व्यंजनों की बगिया, हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बाल दिवस पर जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में उत्साह और उमंग के साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान कहीं न्योता भोज के माध्यम से बच्चों के साथ खुशियां साझा की गईं, तो कहीं बाल मेला आयोजित कर उनकी रचनात्मकता और प्रतिभा को मंच प्रदान किया गया। जिले के विभिन्न विद्यालयों में न्योता भोज ,बाल मेला का आयोजन किया गया। बाल मेले में बच्चों ने विभिन्न व्यंजनों के माध्यम से सीखने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का आनंद लिया। विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में



विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उत्सव को यादगार बनाया। इस अवसर पर बच्चों को उपहार स्वरूप कॉपी, पेन एवं मिष्ठान वितरित कर बाल दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। शिक्षकों ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन परिचय, बच्चों के प्रति उनके विशेष स्नेह तथा बाल दिवस के महत्व की जानकारी भी साझा की गई और उनकी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं सहभागिता को प्रोत्साहित किया गया। बाल दिवस के अवसर पर जिले के विद्यालयों में उत्सव और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

शहर मंडल की कामकाजी बैठक में बूथ मज़बूती हेतु किया गया प्रेरित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा शहर मंडल की कामकाजी बैठक मंडल सह प्रभारी थलेश्वर साहू के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक मे आगामी कार्ययोजना के सम्बन्ध मे विस्तार से चर्चा हुई तथा अभी वर्तमान मे निर्वाचन आयोग द्वारा प्रारंम्भिक मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया है जिसका विधिवत अध्ययन कर दावा आपत्ति करना, नये मतदाताओं का नाम जुड़वाना एवं पार्टी के द्वारा आगामी कार्यक्रम को मंडल एवं बूथ स्तर पर प्रभावी रुप से



करने का आह्वान किया गया। बैठक को किसान मोर्चा जिला महामंत्री अजय अग्रवाल अज्जू व नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल शैलू के द्वारा भी सम्बोधित किया गया एवं बूथ स्तर पर पार्टी को मज़बूत करने हेतु प्रेरित किया गया। स्वागत उदबोधन मंडल अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा के द्वारा दिया गया, मंच संचालन महामंत्री नीरज जिंदिया बंटी एवं आभार प्रदर्शन महामंत्री राजू देवांगन के द्वारा किया गया। बैठक मे पार्षदगण प्रमोद पायल, राजेश साहू, प्यारेलाल साहू मंडल के महामंत्रीगण राजू देवांगन, नीरज जिंदिया बंटी, पूर्व पार्षद एवं मंडल उपाध्यक्ष अशरफ ईराकी, मंडल के मंत्री अजय सिंह, युवा मोर्चा के महामंत्री तुषार ठाकुर, शानू साहू, सत्यनारायण गुप्ता, संस्कार अग्रवाल, सुमित साहू, एल्डरमैन संजय केजरीवाल, शिवशंकर साहू पौधा, अजय मित्तल, विनीत तिवारी एवं अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

हमें अनुशासित और एकजुट रहना सिखाता है खेलकूद : पटेल

पुलिस स्मृति एवं झंडा दिवस पर हुई खेलकूद, पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिताएं, विजेताओं को एसपी ने किया पुरस्कृत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ के निर्देशन पर 21 अक्टूबर पुलिस स्मृति दिवस से 31 अक्टूबर तक यहां पुलिस झंडा दिवस मनाया गया। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के मार्गदर्शन में 11 दिवसीय इस आयोजन के दौरान देशभक्ति, राष्ट्र की एकता विषय पर आधारित पेंटिंग, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन सहित अन्य खेलकूद एक्टिविटी का आयोजन पुलिस लाईन में किया गया था जिनके विजेताओं को शनिवार को पुरस्कृत किया गया। पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेताओं को प्रशिस्त पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदाय कर सम्मानित किया। टीम गेम रस्सा खींच प्रतियोगिता के विजेता बेनार्ड कुजूर व टीम, रस्सा खींच में नव आरक्षक प्रथम राजेश यादव व पुष्पा गुप्ता, महिला वर्ग में 100 मीटर दौड़ में प्रथम रागिनी पैकरा, द्वितीय जैनी टोप्पो, बालिका जूनियर वर्ग में 100 मीटर दौड़ प्रथम नैना पैकरा, द्वितीय आशा एक्का, बालक जूनियर में प्रथम अविनाश, द्वितीय विश्व प्रताप,



सब जूनियर प्रथम प्रिंस प्रताप, द्वितीय शौर्य पाटले, चम्मच दौड़ में रौशनी मिंज, कैरम मुजंनी, जुनियर प्रथम मंजुला, द्वितीय कनिका सिंह, जलेबी दौड़ बालक जूनियर सागर सिंह, गौरव सिंह, सीनियर विकास सिंह, प्रिंस प्रताप चौहान, बालिका प्रथम रागिनी पैंकरा, कैरम मुजंनी, बाधा दौड़ जूनियर बालक प्रथम भावेश एक्का, द्वितीय पुष्पक सिंह, द्वितीय ऐश्वर्य श्रीवास्तव, द्वितीय तितेश कुमार, सीनियर प्रथम विश्व प्रताप सिंह, द्वितीय अर्णवनाथ आर्मो, द्वितीय अविनाश कुमार, द्वितीय आकाश केरकेट्टा, नवआरक्षक प्रथम आंचल सिंह, विनीता मिंज, द्वितीय शोभा चौधरी, रेसवास्ता सिंह, कुर्सी दौड़ में प्रथम रेसवास्ता सिंह, द्वितीय पुष्पा सिंह, कुर्सी दौड़ महिला में प्रथम ज्योति सिंह, द्वितीय बसंती गिद्ध, रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम चन्द्रकांता, द्वितीय पार्वती सिंह, एकता दौड़ पुरूष में प्रथम त्रिभुवन सिंह, द्वितीय इंदर प्रसाद, महिला वर्ग में प्रथम सुप्रिया पैंकरा, द्वितीय संगीता, 100 मीटर दौड़ स्कूली छात्र वर्ग में प्रथम ईशान, द्वितीय शुभम रहे जिन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने विजेताओं को बधाई एवं मौजूद खिलाड़ियों को और कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने कहा कि पुलिस स्मृति एवं पुलिस झंडा दिवस के तहत यह खेलकूद आयोजित कराते हुए राष्ट्रीय एकता का संदेश एवं शहीदों के प्रति सम्मान स्वरूप किया गया, जीवन में खेल का विशेष महत्व है, खेलकूद हमें अनुशासित और एकजुट रहना सिखाता है, व्यस्त दिनचर्या में खेलकूद मानसिक स्ट्रेस को दूर करता है साथ शारीरिक स्वास्थ्य को लाभ देता है। खिलाड़ियों को सेवा के साथ-साथ खेल के प्रति निरंतरता बनाए रखने और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की तैयारी करने कहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, सूबेदार भारती देवांगन एवं उनके स्टाफ की अहम भूमिका रही है।

इस अवसर पर सीएसपी विशाल गर्ग, निरीक्षक रूपेश कुंतल, मनोज नेताम, एसआई सोहन सिंह सहित पुलिस लाईन के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएवी कनकनगर में रंगोली, दीप सज्जा एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के कनकनगर स्थित डीएवी स्कूल में रंगोली मेकिंग, दीया सजाओ एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला, रचनात्मकता एवं प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों ने आकर्षक रंगोली बनाकर और सुंदर पेंटिंग के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। कक्षा 9वीं से 12वीं तक की समूह रंगोली प्रतियोगिता में खुशी एवं उनके ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। समपती एवं ग्रुप द्वितीय तथा रितु एवं ग्रुप तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 6वीं से 8वीं तक की समूह रंगोली प्रतियोगिता में पूजा एवं ग्रुप ने प्रथम, प्रिंस एवं ग्रुप ने द्वितीय तथा मान्या एवं ग्रुप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में कक्षा 6वीं से 8वीं तक की एकल रंगोली प्रतियोगिता में झलक ने प्रथम, माही गुप्ता ने द्वितीय तथा परी गुप्ता ने तृतीय स्थान हासिल किया। दीया बनाओ प्रतियोगिता में अक्षत एवं परी ने प्रथम, मान्या एवं सृष्टि ने द्वितीय तथा झलक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

:: ई-निविदा (संक्षिप्त) आमंत्रण सूचना::

क्रमांक / निर्माण / आ.वि. / 2026 / 5345 / अम्बिकापुर दिनांक 12.11.2026

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग जिला सरगुजा अन्तर्गत निम्न कार्य हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर दिनांक 15.12.2026 तक ऑनलाईन प्रथम जोनल निविदा आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा कार्य की कुल राशि
203835 से 203841	विभागीय छात्रावास / आश्रम, शासकीय भवनो एवं विशिष्ट संस्थाओं में अनुरक्षण / लघुनिर्माण कार्य पृथक-पृथक कुल 07 जोन	20,00,000=00 (प्रति जोन)

निविदा की सामान्य शर्तें एवं अन्य जानकारी वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
अम्बिकापुर

जी-262704503/2

धान उठाव में देरी पर मंडी प्रबंधकों का विरोध, खरीदी से अलग होने की दी चेतावनी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जशपुरनगर में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से ठीक एक दिन पहले मंडी प्रबंधक धान उठाव में देरी के फैसले के विरोध में लामबंद हो गए हैं। प्रदेश सरकार की नई धान खरीदी नीति में 15 नवंबर से 15 जनवरी तक धान उठाव के लिए डीईओ जारी नहीं करने के प्रावधान पर प्रबंधकों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इस व्यवस्था से मंडियों में लंबे समय तक धान जमा रहेगा और सुखत की समस्या बढ़ेगी। एक ओर सरकार ने शून्य सुखत की नीति जारी रखी है, वहीं दूसरी ओर धान उठाव में देरी से मंडी प्रबंधन पर आर्थिक नुकसान और कार्रवाई का खतरा बढ़ेगा। मांगें पूरी नहीं होने पर प्रबंधकों ने धान खरीदी प्रक्रिया से अलग रहने की चेतावनी दी है।



खुले में धान रखने से बढ़ेगी सुखत की समस्या

गम्हरिया मंडी के प्रबंधक राजेश साहू ने बताया कि धान खरीदी के समय धान में नमी की मात्रा करीब 17 प्रतिशत होती है। खुले में धान जमा रहने से धूप और गर्मी के कारण नमी कम होगी। इससे धान में सुखत की समस्या आएगी।

उन्होंने कहा कि शून्य सुखत की नीति के चलते मंडी प्रबंधन को आर्थिक नुकसान के साथ कार्रवाई का भी सामना करना पड़ सकता है।

सुरक्षा और भंडारण की भी होगी परेशानी

कुरेाग मंडी के प्रबंधक जगदीश यादव का कहना है कि 15 जनवरी तक जिले में अधिकांश धान खरीदी हो जाती है। ऐसे में धान उठाव में देरी से मंडियों में बड़ी मात्रा में धान जमा रहेगा। इससे भंडारण और उसकी सुरक्षा की समस्या खड़ी होगी। बारिश होने की स्थिति में खुले में जमा धान को सुरक्षित रखना भी व्यावहारिक रूप से मुश्किल होगा।

दो प्रतिशत सुखत और सुविधाएं देने की मांग

जामझोर मंडी के प्रबंधक राजकुमार बंजारा ने बताया कि छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने दो प्रतिशत सुखत देने और नियम के अनुसार समितियों को मिलने वाली सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। इसी संबंध में मंडी प्रबंधकों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में मांगें पूरी नहीं होने पर धान खरीदी प्रक्रिया से स्वयं को अलग रखने की चेतावनी दी गई है।

मांगें सरकार तक भेजी जाएंगी : डीएमओ

जशपुर डीएमओ शंभुनाथ गुप्ता ने बताया कि मंडी प्रबंधकों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया है। इसे कलेक्टर के माध्यम से सरकार को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रबंधक काम नहीं करते हैं तो मंडियों में वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।

देशदेखा में 26 से जशपुर जंबूरी: पैरामोटरिंग, कयाकिंग व जंगल सफारी का लेंगे आनंद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता, रोमांच और आदिवासी संस्कृति को एक साथ अनुभव करने का अवसर पर्यटकों को मिलने जा रहा है। शहर से करीब 10 किलोमीटर दूर स्थित प्रसिद्ध प्राकृतिक पर्यटन स्थल देशदेखा में 26 नवंबर से चार दिवसीय जशपुर जंबूरी का आयोजन किया जाएगा। इस उत्सव में देशभर से पर्यटकों के पहुंचने की उम्मीद है। आयोजन के दौरान पर्यटकों को प्राकृतिक नजारों के बीच रोमांचक खेलों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, स्थानीय खानपान और रात्रि विश्राम का अनुभव मिलेगा। प्रशासन ने आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। जशपुर जंबूरी का उद्देश्य जिले के पर्यटन स्थलों को नई पहचान देने के साथ स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर तैयार करना भी है।



आसमान से दिखेगा जशपुर का नजारा

इस वर्ष जशपुर जंबूरी में रोमांच और प्रकृति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। मधेश्वर पहाड़ियों के ऊपर हॉट एयर बैलून और पैरामोटरिंग शो आयोजित किए जाएंगे। इनके माध्यम से पर्यटक आसमान से जशपुर की हरियाली, पहाड़ों और प्राकृतिक दृश्यों को निहार सकेंगे। यह अनुभव पर्यटकों के लिए सबसे खास आकर्षण होगा। इसके अलावा झरनों की धाराओं में कयाकिंग, जंगल के रास्तों पर एटीवी राइड और फॉरेस्ट ट्रेकिंग ट्रेल्स का आनंद भी ले सकेंगे। इन गतिविधियों के जरिए पर्यटकों को प्रकृति के करीब पहुंचने के साथ साहसिक पर्यटन का अनुभव मिलेगा। जंगल सफारी के दौरान पर्यटक जशपुर के घने जंगलों, पहाड़ियों और वन्य जीवन को करीब से देख सकेंगे।

रात में स्टार गेजिंग और लोक संस्कृति की झलक

जंबूरी में दिन के साथ रात का समय भी पर्यटकों के लिए खास रहेगा। यहां नाइट स्टे और स्टार गेजिंग सेशन आयोजित किए जाएंगे। खुले आसमान के नीचे पर्यटक तारों और खगोलीय दृश्यों का अवलोकन कर सकेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जशपुर के पारंपरिक लोकनृत्य, संगीत और मोर नृत्य की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। जंबूरी के माध्यम से जशपुर की पहचान केवल प्राकृतिक पर्यटन स्थल के रूप में ही नहीं, बल्कि लोक संस्कृति और ग्रामीण आतिथ्य के केंद्र के रूप में भी स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। पर्यटक यहां के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चख सकेंगे। स्थानीय लोकनृत्य और संगीत के जरिए क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित होंगे। नाइट स्टे की व्यवस्था उन्हें शहर की भागदौड़ से दूर प्रकृति के बीच समय बिताने का अवसर देगी।

ग्रामीणों को मिलेगा रोजगार, मड हाउस में ठहरेंगे पर्यटक

जशपुर जंबूरी की खास पहल यह है कि पर्यटन के साथ स्थानीय ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने की व्यवस्था भी की गई है। प्रशासन ने पीएम आवास योजना के हितग्राहियों के कच्चे मकानों को मड हाउस के रूप में तैयार कराया है। इन मड हाउस में पर्यटकों के रात्रि विश्राम की व्यवस्था होगी। पर्यटक यहां ठहरने के दौरान स्थानीय लोगों के साथ भोजन का आनंद भी ले सकेंगे। इससे उन्हें स्थानीय खानपान को जानने का अवसर मिलेगा, वहीं ग्रामीणों को सीधी आमदनी होगी। स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन और ग्रामीण जीवन शैली भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी।

प्रशासन ने शुरू की तैयारियां

जिला प्रशासन की ओर से जंबूरी को लेकर सुरक्षा, यातायात, ठहरने, भोजन और चिकित्सा व्यवस्था की तैयारियों की जा रही हैं। देशदेखा क्षेत्र में साफ-सफाई, सड़क सुधार और साज-सज्जा का काम भी चल रहा है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस आयोजन से जशपुर पर्यटन मानचित्र पर नई ऊंचाई हासिल करेगा और आने वाले वर्षों में पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि होगी।



कांग्रेस संगठन प्रभारी सुखदेव भगत 16 नवंबर को आएंगे जशपुर, बैज, सिंहदेव और महंत समेत कई दिग्गज नेता होंगे शामिल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। कांग्रेस के छत्तीसगढ़ संगठन प्रभारी एवं झारखंड के लोहरदगा से सांसद सुखदेव राम भगत 16 नवंबर को एक दिवसीय प्रवास पर जशपुर पहुंचेंगे। उनके दौरे को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। उनके स्वागत और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज सहित छत्तीसगढ़ के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी जशपुर पहुंचेंगे। दौरे के दौरान संगठनात्मक चर्चा के साथ वोट चोरी और एसआईआर के विरोध में जन चौपाल, जनसभा और कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

अंतरराज्यीय सीमा पर होगा स्वागत

जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष यूडी मिंज ने बताया कि सुखदेव भगत 16 नवंबर को झारखंड की राजधानी रांची से जशपुर पहुंचेंगे। छत्तीसगढ़ और झारखंड की अंतरराज्यीय सीमा पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से उनका स्वागत किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के अलावा पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम और पूर्व मंत्री उमेश पटेल सहित प्रदेश के कई प्रमुख नेता मौजूद रहेंगे। स्वागत कार्यक्रम के बाद सुखदेव भगत शंख से सीधे जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचेंगे। यहां वे पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ संक्षिप्त चर्चा करेंगे। इसके बाद सीगड़ा आश्रम जाकर मां काली और गुरुपद संभवराम जी का आशीर्वाद लेंगे।

एसआईआर के विरोध में बालाछापर में जन चौपाल

जिलाध्यक्ष यूडी मिंज के मुताबिक, दौरे के दौरान वोट चोरी और एसआईआर के विरोध में शहर के नजदीकी गांव बालाछापर में जन चौपाल आयोजित की जाएगी। इसमें सुखदेव भगत ग्रामीणों से संवाद करेंगे और एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर लोगों को जागरूक करेंगे। इसके बाद वे दुलदुला विकासखंड के लोरो में आयोजित जनसभा में शामिल होंगे। यहां से कांसाबेल पहुंचकर कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

पत्थलगांव में दिवंगत नेता को देंगे श्रद्धांजलि

प्रवास के अंतिम चरण में सुखदेव भगत पत्थलगांव पहुंचेंगे। यहां वे कांग्रेस के दिवंगत नेता हरगोविंद अग्रवाल के निवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वे आगे के लिए रवाना होंगे। पत्रकार वार्ता में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष हीरू राम निकुंज, पूर्व जनपद अध्यक्ष शशि भगत, सहस्त्रांशु पाठक, महेंद्र अग्रवाल, सुमित शर्मा सहित जिला कांग्रेस कमेटी के स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एनएच-43 पर गड्ढे ही गड्ढे, धूल के गुबार से परेशान हुए राहगीर, हादसे का खतरा बढ़ा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कुनकुरी के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग-43 की जर्जर स्थिति स्थानीय नागरिकों और राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और टूटी सतह के कारण वाहनों के गुजरते ही धूल के गुबार उड़ने लगते हैं। इससे आसपास के घरों और दुकानों में धूल की मोटी परत जम रही है।



धूल से बीमार हो रहे लोग

सड़क से उठने वाली धूल का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। राहगीरों को सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। धूल के कारण दृश्यता कम होने से सड़क पर दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा परेशान हैं। गड्ढों से बचने के चक्कर में कई बार वाहन अनियंत्रित होकर गिर जाते हैं।

दुकानदारों का व्यापार प्रभावित

सड़क किनारे दुकान चलाने वाले दुकानदारों का कहना है कि धूल के कारण सामान खराब हो रहा है और ग्राहक दुकानों पर रुकना पसंद नहीं कर रहे हैं। होटल और खाने-पीने की दुकानों पर धूल जमने से ग्राहकों की संख्या घट गई है। स्थानीय लोगों को दिन में कई बार घरों की सफाई करनी पड़ रही है, फिर भी धूल से राहत नहीं मिल रही।

लंबे समय से नहीं हुआ समाधान

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ है। कभी-कभी गड्ढों में मिट्टी-मुरम डालकर काम चला लिया जाता है, जो एक-दो बारिश में फिर उखड़ जाता है। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार विभाग की ओर से सड़क की मरम्मत को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।

राहगीरों ने की मांग

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि एनएच-43 के इस जर्जर हिस्से को जल्द से जल्द पक्की मरम्मत कराई जाए। साथ ही जब तक मरम्मत नहीं होती, तब तक नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जाए ताकि धूल से कुछ राहत मिल सके। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

एआई के दौर में युवाओं को कौशल से जोड़ना जरूरी - कलेक्टर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने महाविद्यालयों एवं आईटीआई के प्राचार्यों की बैठक में कौशल, एआई, अप्रेंटिसशिप एवं प्लेसमेंट की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि तकनीक और रोजगार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। युवाओं को सिर्फ डिग्री तक सीमित न रखकर एआई सहित आधुनिक तकनीकों के अनुरूप व्यावहारिक कौशल से दक्ष बनाना होगा। डिग्री के साथ कौशल ही बेहतर रोजगार दिलाएगा। उन्होंने सभी प्राचार्यों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण बैचों से जोड़ने, हर महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल बनाने और मजबूत एलुमनाई नेटवर्क विकसित करने के निर्देश दिए। नियमित पूर्व छात्र मिलन से पूर्व विद्यार्थियों का मार्गदर्शन वर्तमान विद्यार्थियों को मिलेगा।



बैठक में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना और राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना पर चर्चा हुई। नवगुरुकुल के प्रतिनिधियों ने प्रोग्रामिंग, कंप्यूटर व डिजिटल तकनीक के प्रशिक्षण की जानकारी दी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, जिला रोजगार अधिकारी, लाइवलीहुड कॉलेज प्राचार्य अमरनाथ धमगया, कौशल विकास विभाग के सहायक संचालक प्रकाश यादव सहित सभी प्राचार्य उपस्थित रहे।

बस चालकों की हड़ताल बेअसर, झारखंड-बिहार रूट की बसें पैक, रात्रिकालीन बसों की सीटें पहले से बुक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। बस चालकों ने 12 नवंबर को स्टीयरिंग छोड़ा अभियान के तहत अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया था, लेकिन जशपुर जिले में इसका कोई असर नहीं दिखा। शुक्रवार को सभी बसें अपने निर्धारित समय पर चलीं। इससे छठ पर्व पर यात्रा कर रहे यात्रियों ने राहत की सांस ली।

हड़ताल के डर से उमड़ी भीड़

शुक्रवार को बसों में अचानक भीड़ बढ़ने की बड़ी वजह हड़ताल का ऐलान ही रहा। मोटर कर्मचारी संघ के रविन्द्र नाथ पाठक ने बताया कि गुरुवार को ही अधिकांश यात्री बस स्टैंड पहुंचकर पूछ रहे थे कि शुक्रवार को बस चलेगी या नहीं। शुक्रवार को जब लोगों को पता चला कि बसें चल रही हैं, तो उन्होंने यात्रा में देरी नहीं की। खासकर छठ पर्व को लेकर जशपुर पहुंचने और जशपुर से बाहर जाने वाले यात्री शुक्रवार को ही रवाना हो गए।



झारखंड-बिहार रूट की बसें फुल

जशपुर से झारखंड व बिहार के लिए चलने वाली अधिकांश बसें पैक होकर निकलीं। झारखंड से शहर पहुंचने वाली सभी बसें भी पैक होकर पहुंचीं। सीट नहीं मिलने पर कई यात्रियों ने खड़े होकर भी यात्रा की। सुबह के बजाए दिन की बसों में भीड़ अधिक रही, क्योंकि सुबह जल्दी छूटने वाली बसों को लेकर यात्री असमंजस में थे। जब यह स्पष्ट हुआ कि दोनों राज्यों में बसें चल रही हैं, तो दिन की बसों में भीड़ बढ़ गई।

रात्रिकालीन बसों में पहले से बुकिंग फुल

रात्रिकालीन बसों में शुक्रवार और शनिवार के लिए अधिकांश स्लीपर व सीटें पहले से बुक हैं। रायपुर, बिलासपुर या अन्य बड़े शहरों में रह रहे लोग भी छठ पर्व पर अपने घर आ रहे हैं। सबसे अधिक 49 बसें झारखंड रूट पर

जशपुर बस स्टैंड से सबसे अधिक करीब 49 बसें झारखंड के लिए चलती हैं। इनमें दिन में चलने वाली बसों की संख्या 30 से अधिक है, वहीं करीब 12 से अधिक रात्रिकालीन बसें रांची से रायपुर के लिए चलती हैं। झारखंड रूट की बसों में छठ पर्व पर सबसे अधिक भीड़ खराब है। इसके अलावा जशपुर से अंबिकापुर, पत्थलगांव और रायगढ़ रूट पर भी बसों में भीड़ ज्यादा थी। जिले की अन्य रूट आस्ता, सन्ना रूट पर बसों में यात्रियों की संख्या अन्य दिनों की तरह ही थी।

छठ पर होली-दीपावली जैसी भीड़

मोटर कर्मचारी एसोसिएशन के सुनील गुप्ता बताते हैं कि छठ पर्व पर बसों में भीड़ होली और दीपावली की तरह होती है। शहर में अधिकांश आबादी झारखंड और बिहार के लोगों की है। इसलिए छठ पर्व जशपुर शहर में भी बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। छठ के समय जिस तरह बिहार व झारखंड की ट्रेन व बसों में भीड़ रहती है, वैसी ही भीड़ जशपुर की बसों में भी देखने को मिलती है। बस संचालक इसके लिए पहले से तैयार रहते हैं। दीपावली से पहले ही बसों को दुरुस्त करते हैं और अपनी सभी बसें निर्धारित रूट पर चलाते हैं। कई बस संचालक मिलकर इस सीजन के लिए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था रखते हैं, ताकि यदि किसी रूट पर बस खराब हो जाए तो यात्रियों को परेशानी न हो और तत्काल दूसरी बस की व्यवस्था दी जा सके।

18 नवंबर तक बनी रहेगी भीड़

बस के बुकिंग एजेंट व बस संचालकों के अनुसार शहर से चलने वाली बसों में 18 नवंबर तक भीड़ की स्थिति बनी रह सकती है। छठ पर्व 16 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसके बाद यात्री अपने-अपने कार्य स्थल पर वापस लौटेंगे। रात्रिकालीन बसों में 16 नवंबर की बसों के स्लीपर व सीट ऑनलाइन बुक होने शुरू हो चुके हैं। जिन्हें रात्रिकालीन बसों में दूर की यात्रा करनी है, वे वापसी की सीट जल्दी बुक करा लें। अधिकांश लोग छठ पर्व के समापन के दिन यात्रा न कर दूसरे दिन वापस लौटते हैं, इसलिए 17 नवंबर को भीड़ सबसे ज्यादा होगी।

खाने में मिलावट पर अब सख्ती, जशपुर में 15 दिन चलेगा सुरक्षित आहार अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। आम नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जशपुर जिले में 16 से 30 नवंबर 2026 तक "सुरक्षित आहार, हमर अधिकार" नाम से 15 दिवसीय विशेष सघन निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान संचालित किया जाएगा।यह अभियान स्वास्थ्य मंत्री एवं स्वास्थ्य सचिव के निर्देश पर तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ के नियंत्रक सह आयुक्त दीपक कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देशानुसार प्रदेशभर के साथ-साथ जशपुर जिले में भी चलाया जाएगा।

सभी प्रतिष्ठानों का होगा शत-प्रतिशत निरीक्षण

अभियान के तहत जिले के सभी होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, कैंटीन, कैटरिंग सेवाओं, स्ट्रीट फूड वेंडर्स एवं अन्य खाद्य सेवा प्रतिष्ठानों की सूची तैयार कर 15 दिनों में सभी का शत-प्रतिशत निरीक्षण किया जाएगा।निरीक्षण के दौरान रसोईघर, खाद्य पदार्थों की तैयारी एवं परोसने के स्थान, बर्तनों, उपकरणों, भंडारण व्यवस्था तथा कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता की विशेष जांच होगी। कच्चे व पके खाद्य पदार्थों को अलग-अलग रखने, सुरक्षित तापमान पर भंडारण, स्वच्छ पेयजल, कचरे के उचित निपटान, नालियों की सफाई एवं कीट नियंत्रण व्यवस्था भी देखी जाएगी। कर्मचारियों के लिए स्वच्छ वस्त्र, एप्रन, हेड कवर तथा हर छह माह में स्वास्थ्य परीक्षण के अभिलेख भी जांचे जाएंगे।

प्रतिबंधित खाद्य रंगों पर विशेष नजर

मिठाई, ग्रेवी, बिरयानी, करी, चटनी, पेय पदार्थ, रोस्टेड चिकन, चाट, मंचूरियन, फास्ट फूड सहित सभी तैयार खाद्य पदार्थों में प्रयुक्त रंगों की जांच की जाएगी। गैर-खाद्य रंग, औद्योगिक रंग, प्रतिबंधित रंग अथवा अनधिकृत खाद्य रंग पाए जाने पर खाद्य पदार्थ एवं रंग का विनष्टीकरण कराया जाएगा।

गंभीर लापरवाही पर प्रतिष्ठान बंद तक की कार्रवाई

गंभीर स्वच्छता संबंधी कमी पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत सुधार सूचना, अनुज्ञप्ति/पंजीयन का निलंबन एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अभानक एवं अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य निर्माण पाए जाने पर नमूने लिए जाएंगे तथा व्यवस्था दुरुस्त होने तक प्रतिष्ठान बंद रखा जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह